आश्विन शुक्ल पक्ष-02, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 102 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

04 अक्टूबर 2024 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

28 अधिकतम

22 न्यूनतम

मप्र में ड्रोन पायलट के लिए अनुदान की रफ्तार धीमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में ड्रोन खरीद के लिये किसानों को अनुदान की रफ्तार धीमी पड़ने लगी है। हालांकि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में ड्रोन संचालन के लिए ड्रोन पायलट के वैध लायसेंस को रखने की बाध्यता को हाल ही में समाप्त कर दिया है। इसके लिये अनुदान योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत श्रेणी के कृषक, आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक अनुसार ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग तो अब तक 260 से अधिक आवेदकों को दी गई है लेकिन ड्रोन खरीदने के लिए अनुदान अभी तक 2 करोड़ 38 लाख रूपये का यानि कुल 54 ड्रोन क्रय करने के लिए ही दिया गया। अफसरों का तर्क है कि चुनाव आदर्श आचार संहिता के चलते योजना की गति धीमी रही। एमपीपोस्ट के मुताबिक व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत लघु सीमांत ,महिला ,अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों के लिए ड्रोन की कीमत का 50% अधिकतम 5 लाख, व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत अन्य वर्गो कृषकों एवं कस्टम हायरिंग केंद्र के संचालकों के लिए ड्रोन की कीमत का 40 % या अधिकतम 4 लाख , कृषक उत्पादक संगठन के लिए ड्रोन की कीमत का 75 प्रतिशत या अधिकतम राशि 7 लाख 50 हजार अनुदान किया जायेगा।

शिवराज बोले-मदद बढ़ाएंगे

इधर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने आज यहां कहा कि मप्र में ड्रोन दीदी अच्छा काम कर रही हैं उन्होंने कहा कि ड्रोन में बैटरी समस्या की जानकारी मिली हैं लिहाजा विभाग अब पांच पांच बैटरी भी देगा। चौहान ने कहा केंद्र सरकार जल्दी ही डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन का गठन करने जा रहे हैं। इस मिशन के गठन के बाद जो काम होंगे, वह किसानों के साथ हेरफेरी से बचाएंगे।

जगदंबा की मूर्ति व मंदिर भी गायब!

सीधी। मप्र के सीधी स्थित आदिवासी अंचल कुसमी के बीच जंगल में आस्था का केंद्र तुर्रानाथ धाम में सैंकडों साल पुराना मां जगदंबा मंदिर अब 'गायब' है। नवरात्र में मां जगदंबा की मूर्ति और मंदिर ही चोरों ने उखाड़ दिया। जब माता का दर्शन करने श्रद्धालु मंदिर के पास पहुंचे तो उनके यह नजारा दिखा कि मूर्ति ही नहीं बल्कि मंदिर भी गायब था। इसे जेसीबी से खोदकर चोर उठाकर ले गए। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी को इसकी सूचना दी गई जहां मौके पर पुलिस की टीम पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई है। वन विभाग इससे अनभिज्ञता जता रहा है।

नई एसआईटी में CBI और आंध्र पुलिस के 2-2, व FSSAI का एक अधिकारी होगा

हम नहीं चाहते कि आस्था का सवाल राजनीतिक ड्रामा बन जाए:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद के रूप में परोसे जाने वाले लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक नई स्वतंत्र एसआईटी गठित करने का आदेश दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नई एसआईटी गठित करने के आदेश के साथ ये भी साफ कर दिया कि आंध्रप्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल टीम अब मामले की जांच नहीं करेगी।

कोर्ट ने कहा है यह आस्था का सवाल है। इस आदेश के मुताबिक, एसआईटी में सीबीआई के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारी और एफएसएसएआई का एक वरिष्ठ अधिकारी होगा। सीबीआई निदेशक एसआईटी जांच की निगरानी करेंगे। इससे पहले आज मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अगर आरोप में कोई भी सच्चाई है तो यह अस्वीकार्य है। एसआईटी की निगरानी किसी वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारी की ओर से की जाए, इससे लोगों में भरोसा बढ़ेगा। एसजी ने कहा कि देश भर में भक्त हैं, खाद्य सुरक्षा भी है। मुझे एसआईटी के सदस्यों के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एक स्वतंत्र एसआईटी बनाई जाए। इसमें सीबीआई और राज्य सरकार से दो-दो सदस्य रह सकते हैं। इसके अलाव स्नस्स्ढ्ढ से भी एक सदस्य को इस समिति में रखा जाए। खाद्य पदार्थों की जांच के मामले में स्नस्स्ढ्ढ सबसे विशेषज्ञ शीर्ष निकाय है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह करोड़ों लोगों की आस्था का सवाल है। ऐसे में वह नहीं चाहता कि यह राजनीतिक ड्रामा बन जाए। अगर एक स्वतंत्र निकाय होगा, तो विश्वास पैदा होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया कि यदि कोई बात हो तो आप जांच लंबित रहने तक फिर से न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

तिरूपति मंदिर का लड्डू विवाद

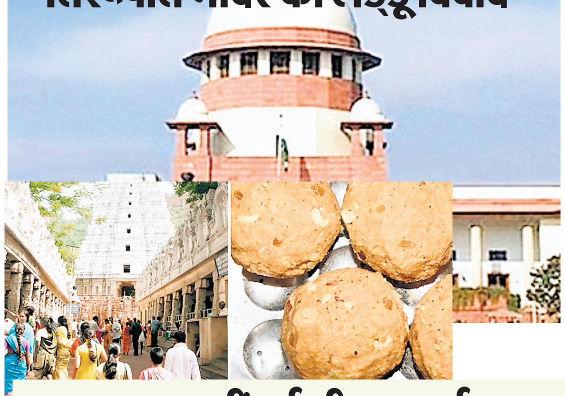

कल नहीं हुई थी सुनवाई

पहले इस मामले की सुनवाई कल गुरुवार दोपहर 3:30 बजे होनी थी। तब मेहता ने जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा था कि यदि आप अनुमति दें तो क्या मैं शुक्रवार सुबह 10:30 बजे जवाब दे सकता हूं? पीठ ने अनुरोध को स्वीकार कर लिया और कहा कि वह शुक्रवार को मामले में सुनवाई करेगी। पीठ ने 30 सितंबर को मामले की सुनवाई करते हुए मेहता से यह तय करने में मदद करने को कहा था कि राज्य के नियुक्त एसआईटी की जांच जारी रहनी चाहिए या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए। न्यायालय ने पूछा था कि यह दिखाने के लिए क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया था। हम उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा। अगर जांच के आदेश दिए गए थे तो प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी?

कोर्ट रूम में दी गईं दलीलें

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता बोले- मैंने इस मुद्दे की जांच की है और अगर आरोपों में कोई सच्चाई है तो यह बिलकुल मंजूर नहीं है। देशभर में उनके भक्त हैं। केंद्र के सीनियर अधिकारी को इसकी निगरानी दी जाए।

- **जस्टिस गवई:** इसमें शक नहीं है। मैंने अखबारों में पढ़ा है कि सीएम ने बयान दिया है कि कोई जांच नहीं है।
- **मुकुल रोहतगी:**मैं राज्य सरकार की तरफ से हूं और स्ढ्ढञ्ज से ही जांच करवाने की अपील करता हूं। कोर्ट की पसंद के किसी भी अधिकारी को जोड़ा जा सकता है। सरकार ने भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्नढ्क्र की है। हम अखबारों पर भरोसा नहीं करते।
- **कपिल सिब्बल:**कल एक बयान दिया गया, अगर कोर्ट इसकी स्वतंत्र जांच करवाता है तो यह बेहतर होगा। अगर बयान नहीं दिया होता तो यह अलग बात होती।
- **मुकुल रोहतगी:** मीडिया रिपोर्ट जुलाई की है। ऐसा नहीं है कि सीएम ने रिपोर्ट आने से पहले कुछ कहा हो। जो दिखाया गया है वह मामले सेसे हटकर है।
- **सिद्धार्थ लूथरा:** अब हमें पता चला कि घी मेन सप्लायर ने दिया ही नहीं था। लैब रिपोर्ट आ गई है।
- **मुकुल रोहतगी:** अगर हमारे स्टेटस में कोई परेशानी है, तो हम हलफनामा दायर कर सकते हैं। इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि चर्बी का इस्तेमाल हुआ था।
- **कपिल सिब्बल:**कौन सी रिपोर्ट में यह लिखा है। वह वनस्पति वसा है, एनिमल फैट नहीं है। कोर्ट को स्वतंत्र जांच के आदेश देने चाहिए।

कोर्ट ने पहले भी आंध्र प्रदेश सरकार से पूछे थे कई सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं ? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था।

हिजबुल्लाह के संभावित कमांडर की इजरायली हमले में मौत की आशंका

बेरूत , एजेंसी।

बैठक के दौरान बरसाए बम

पूरा मिडिल ईस्ट अब जंग की आग में धधकने लगा है। इजराइल लगातार हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहा है. बेरूत में आज एयरपोर्ट के पास भीषण विस्फोट हुआ इसमें हिजबुल्लाह के 37 लडाके ढेर हो गये। इजरायल ने आधीरात को बेरूत में भीषण हवाई हमले किए है। ये हमले हिज्बुल्लाह के संभावित चीफ हाशिम सफीद्दीन को टारगेट बनाकर किए गए हैं। खास बात यह है किइजरायल ने जिस वक्त ये हमले किए, उस समय सफीद्दीन सहित हिज्बुल्लाह के कई प्रमुख अधिकारी बैठक कर रहे थे इजराइली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के भाई हाशिम सैफिद्दीन की भी मौत का दावा किया जा रहा है। अलजजीरा के मुताबिक इजराइली सेना ने जमीन के नीचे बने बंकर पर 11 मिसाइलें दागीं। यहां पर हिजबुल्लाह के टॉप अधिकारी बैठक कर रहे थे। इसमें सैफिद्दीन के भी शामिल होने वाला था। इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं, यह भी पता नहीं चला है।

इजराइल डिफेंस फोर्स या फिर हिजबुल्लाह ने सैफिद्दीन के मारे जाने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। सैफिद्दीन 1982 से ही हिजबुल्लाह से जुड़ा हुआ था। पिछले सप्ताह नसरल्लाह के मारे जाने के बाद उसके हिजबुल्लाह चीफ बनाए जाने की चर्चा थी। वह रिश्ते में नसरल्लाह का ममेरा भाई है। सैफिद्दीन, हसन नसरल्लाह की तरह ही काली पगड़ी बांधता है। अमेरिका ने उसे 2017 में आतंकवादी घोषित किया था।

भाजपा सांसद के घर फेंके बम व फायरिंग

कोलकाता , एजेंसी।

भाजपा सांसद अर्जुन सिंह के घर पर आज सुबह देसी बम फेंके गए। इसके अलावा कई राउंड फायरिंग भी की गई। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के जगद्दल में इस घटना की गूंज है। सिंह का दावा है कि इस दौरान फायरिंग से पैर में भी छर्रा लगा है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ जवान के पैर में भी चोट आई है। सिंह ने पोस्ट करते हुए लिखा, %आज सुबह जब सभी नवरात्रि की पूजा में व्यस्त थे, तब एनआईए मामलों में आरोपी और स्थानीय पार्षद के बेटे नमित सिंह के संरक्षण और स्थानीय पुलिस निगरानी में कई जिहादियों और गुंडों ने मेरे कार्यालय-सह-निवास 'मजदूर भवन' पर हमला किया।

गंभीर ने पीतांबरा शक्तिपीठ में की पूजा

दतिया। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ग्वालियर के पास स्थित दतिया के मां पीतांबरा सिद्धपीठ पहुंचे। नवरात्रि के दौरान गंभीर ने पूजा-अर्चना की। उन्होंने इस दौरा पीला कुर्ता पहन रखा था। इसके साथ ही उन्होंने भगवान वनखंडेश्वर महादेव का जलाभिषेक भी किया। ज्ञात हो कि भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 6 अक्टूबर से हो रही है। सीरीज का पहला मुकाबला ग्वालियर के नए माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम पर होना है। इस मैच के लिए दोनों ही टीमें ग्वालियर पहुंच चुकी हैं। मैच की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। 14 साल बाद ग्वालियर में कोई इंटरनेशनल मैच खेला जा रहा है।

रेल कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस का ऐलान

नई दिल्ली , एजेंसी।

दीवाली के पहले रेलवे के कर्मचारियों को 78 दिनों का बोनस मिलेगा। यह फैसला केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को लिया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के लिए 2029 करोड़ रुपए के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी है। इस ऐलान से रेलवे के 11,72,240 कर्मचारियों का फायदा मिलेगा। सरकार ने प्रधानमंत्री-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना कृषोन्नति योजना को भी मंजूरी दी है। इसके लिए 1,01,321 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इसके अलावा अन्य फैसले- मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा, चेन्नई मेट्रो के फेज-2 के लिए 63,246 करोड़ आवंटित, प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस योजना 20,704 पोर्ट कर्मचारियों के लिए।

मालगाड़ी में लगे दो डीजल टैंकर बेपटरी

नई दिल्ली , एजेंसी।

बीती देर रात मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर रतलाम रेलवे स्टेशन से करीब एक किमी दूरी पर डीजल से भरी मालगाड़ी के दो टैंकर बेपटरी हो गए। एक टैंकर पलट भी गया। इसमें से डीजल रात 2 बजे तक रिसता रहा। लोग बाल्टी व ड्रम लेकर डीजल बटोरते दिखे। हादसे की सूचना मिलते ही सबसे पहले दुर्घटना रिलीफ ट्रेन व रतलाम रेल मंडल के अधिकारी पहुंचे। देर रात कलेक्टर राजेश बाथम भी घटना स्थल पर पहुंचे। रतलाम से नागदा की ओर जा रही गुड्स ट्रेन रतलाम ई केबिन के बीच डिरेल हुई है। हादसे के कारण दिल्ली-मुम्बई डाउन लाइन प्रभावित हुई। कुछ देर ट्रेनों को रतलाम के आसपास स्टेशनों पर रोका गया।

मेट्रो एंकर

मार्क अब मस्क से एक कदम पीछे, पहली बार अमीरों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर

नई दिल्ली , एजेंसी।

मेटा के शेयरों से बरस रहा है धन

मेटा के मालिक मार्क जकरबर्ग पहली बार दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। संपत्ति के मामले में उन्होंने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है और चौरतरफा धन बरसा रहा है। इसे लेकर अब ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, कल तक जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि से वे संपत्ति के मामले में अमेजन के बेजोस से .1.1 बिलियन आगे निकल गए। अब इस मामले में उनसे आगे केवल टेस्ला के एलन मस्क है। जिनकी संपत्ति जकरबर्ग से लगभग 50 बिलियन डॉलर अधिक है। कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क स्थित कंपनी में 13त्न हिस्सेदारी रखने वाले जकरबर्ग की संपत्ति में इस वर्ष अब तक 78 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि ब्लूमबर्ग सूचकांक की ओर से ट्रैक किए गए दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों में सबसे अधिक है। 40 वर्षीय जकरबर्ग इस वर्ष संपत्ति सूचकांक पर चार स्थान ऊपर आए हैं। सीएनबीसी की खबर के मुताबिक, हालांकि, मार्क जुकरबर्ग दुनिया के नंबर एक अमीर शख्स टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से करीबी 50 अरब डॉलर पीछे हैं।मेटा के शेयर गुरुवार को रिकॉर्ड ऊंचाई 582.77 डॉलर पर बंद हुए। यह जनवरी की शुरुआत से लगभग 68त्न की बढ़ोतरी को दर्शाता है जब इसके शेयर 346.29 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे। वॉल स्ट्रीट ने पूरे साल मेटा का लगातार उत्साहवर्धन किया है। 2022 के अंत में मेटा ने 21,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जो बड़ी लागत-कटौती योजना का हिस्सा थी। माना जाता है इस फैसले से कंपनी को दोबारा उभरने में मदद मिली है।

संपत्ति बढ़ने का कारण?

मेटा के शेयरों में दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री के आंकड़े और एआई चैटबॉट को शक्ति देने वाले बड़े भाषा मॉडल की दिशा में कदम बढ़ाने के बाद 23त्न की वृद्धि आई। कंपनी के शेयर गुरुवार को 582.77 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। मेटा ने डेटा सेंटर और कंप्यूटिंग पावर पर भारी खर्च किया है। जकरबर्ग एआई दौड़ की दौड़ में अग्रणी स्थान हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। कंपनी ने अन्य दीर्घकालिक परियोजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है। इनमें ओरियन ऑगमेंटेड रियलिटी ग्लास भी शामिल है, जिसकी घोषणा कंपनी ने पिछले महीने की थी।

एफआईआर के बाद भड़के अतिथि शिक्षक

स्कूल का बहिष्कार व जेल भरो आंदोलन की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नियमितीकरण सहित पांच सूत्रीय मांगो के पूरा नहीं होने और स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान से नाराज अतिथि शिक्षकों ने अब मोर्चा खोल दिया है। बीते बुधवार हुए आंदोलन के दौरान अतिथि शिक्षकों पर हुए लाठीचार्ज और एफआईआर के बाद अतिथि शिक्षकों ने जिला स्तर पर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर इसका विरोध दर्ज कराया है। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसके पहले स्ट्रीट लाइटें बंद की गई और फिर पुलिस ने लाठियां भांजना शुरू कर दिया। जो मिला उसे दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि अतिथि शिक्षकों पर किए गए लाठीचार्ज और एफआईआर के विरोध में प्रदेशभर में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे गए हैं।

अगर जल्द ही एफआईआर वापस नहीं ली गई तो अतिथि शिक्षक स्कूल बहिष्कार और जेल भरो आंदोलन करेंगे। इसको लेकर जल्द ही तारीख भी घोषित की जाएगी। बता दें कि मामले में टीटीनगर थाने में शासन द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस एफआईआर में केसी पवांर, बीएम खान, मुकेश जोशी संतोष व अन्य के नाम शामिल किए गए हैं। इनकी संख्या बढ़ती जा रही है।

बिट्टन मार्केट में मां वैष्णो देवी दुर्गा उत्सव समिति ने अयोध्या के श्री राम मंदिर की थीम पर झांकी सजाई है

राजधानी के आसपास किसान परेशान, सर्वे की मांग

चार दिन से निकल रही धूप, खेतों का जमा पानी नहीं सूख रहा, फसलें चौपट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हाल में गिरे पानी ने राजधानी के आसपास के लगभग सौ गांवों में सोयाबीन की फसल को नुकसान पहुंचा दिया है। हालांकि अब बारिश थम चुकी है और धूप निकल रही है लेकिन अतिवृष्टि की वजह से बर्बाद फसलें सुधरने की उम्मीद कम है। कई जगह तो अभी भी खेतों में पानी भरा है। इससे सोयाबीन के दाने फिर से अंकुरित होने लगे हैं।

ऐसे में जनप्रतिनिधि खेतों में उतरकर सर्वे की मांग कर रहे हैं। ज्ञात हो हाल में सरकार ने तय किया है कि राजस्व अमला भी जनप्रतिनिधियों के साथ सर्वे करेगा। बताया जाता है कि भोपाल के बैरसिया इलाके में फसलों की हालत बिगड चुकी है। यहां किसानों ने भी सर्वे की मांग उठाई है। विधायक विष्णु खत्री, जिपं सदस्य विनय मेहर ने कलेक्टर को सर्वे कराने के लिए पत्र भी लिखे हैं। खत्री का कहना है कि गांवों में अतिवृष्टि की वजह से फसल के खराब होने जानकारी मिली है। किसान लगातार सर्वे कराए जाने की बात कह रहे हैं। इसलिए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिखा है। ताकि, अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का किसानों को मुआवजा मिल सके। वहीं जिला पंचायत सदस्य मेहर ने बताया, बैरसिया में ज्यादा बारिश हुई है। इस वजह से सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि की चपेट में आ गई। अभी भी सैकड़ों खेतों में पानी भरा है। इससे फसल 70त्न तक बर्बाद हो गई है। दाना अंकुरित हो गया है। जिसकी कीमत किसान को नहीं मिलेगी।

इन गांवों में ज्यादा असर

बागापुरा, निदानपुर, खितवास, जूना पानी, चाटाहेड़ी बबचिया, तलैया शाह, बरखेड़ा याकूब, डूंगरिया, धतुरिया, दोहाया, सोहाया आदि गांवों में अतिवृष्टि का असर ज्यादा है। मेहर के अनुसार, खेतों में पानी भरा मिला इस कारण किसान फसल की कटाई नहीं कर सके। यह फसल गल गई है। जिन खेतों में पानी नहीं है, वहां लगातार बारिश की वजह से सोयाबीन का दाना अंकुरित हो गया। फसलों के सर्वे कराने जाने की मांग को लेकर गुरुवार को बैरसिया एसडीएम ऑफिस में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे और उन्होंने सर्वे कराने की मांग की।

किसान कर रहे आंदोलन

मप्र में सोयाबीन के दाम 6 हजार से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने को लेकर अलग-अलग किसान संगठन और राजनैतिक दल पिछले एक महीने से आंदोलित हैं। भारतीय किसान संघ समेत किसानों से जुड़े कई संगठन यह मांग उठा चुके हैं। वहीं कई किसानों ने खेतों में पानी में डूबी फसलों के साथ भी प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकृष्टक कराया है।

पंडालों में पुलिस सिखाएगी लैंगिक समानता का पाठ

भोपाल। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर रोकथाम के लिए नवरात्र में पुलिस दुर्गा पंडालों में जाकर लैंगिक समानता का पाठ पढ़ाएगी। इसकी शुरुआत तीन अक्टूबर यानी आज से होगी और 12 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में पुलिस मैं हूं अभिमन्यु अभियान चलाएगी। इसके अंतर्गत पंडालों के अतिरिक्त भीड़ वाले स्थल, स्कूल-कॉलेज में विद्यार्थियों और लोगों को लैंगिक समानता के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव बालकों में छोटी उम्र से ही पैदा करें। पोस्टर, वाद-विवाद, चित्रकला, दौड़ आदि प्रतिस्पर्धाएं कराई जाएंगी। अभियान के संचालन के लिए प्रत्येक जिले में पुलिस की दो से चार विशेष टीमें गठित की गई हैं। पिछले वर्ष भी पुलिस ने प्रदेश भर में यह अभियान चलाया था, जिसे व्यापक जनसमर्थन मिला था। अभिमन्यु ने जैसे गर्भ में कलाएं सीखी थीं, उसी तरह बेटे अपने घर से ही बेटियों का सम्मान करना सीखें, इसलिए इसका नाम मैं हूं अभिमन्यु रखा गया है। इसमें अपील की जाती है कि अभिभावक बालकों को महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के संदर्भ में सामाजिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक और कानूनी प्रविधान के बारे में बताएं। दुर्गा पंडालों के अतिरिक्त भीड़ वाली दूसरी जगह जैसे मेला, शापिंग मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर भी जागरूकता के लिए अलग-अलग कार्यक्रम होंगे।

जन औषधि केंद्र पर कई प्रकार की दवाओं की कमी

बाजार के भरोसे मरीज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हाल में ही अस्पतालों में शुरू किये गये प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों में दवाओं की कमी के मामले उभरने लगे हैं। भोपाल में ही शासकीय जेपी अस्पताल के प्रांगण में मरीजों की सुविधाओं के लिए खोले गए जन औषधि केंद्र में भी करीब तीन सौ प्रकार की दवाओं की कमी बताई जा रही है।

हालांकि जो दवा उपलब्ध हैं वे बाजार से सस्ती दरों पर जरूर है, लेकिन अभी अनेक मेडीसिन की कमी से रोगियों को बाजार से दवाए खरीदनी पड़ रही हैं। बताया जाता है कि जेपी अस्पताल में सस्ती जेनेरिक दवाओं के केंद्र में जरूरत दो हजार की है लेकिन यहां दवाएं सत्रह सौ प्रकार ही मिल पा रही हैं। मरीजों की सुविधा के लिए रेडक्रास द्वारा यह जन औषधि केंद्र खोला गया है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अभी इस संबंध में किसी मरीज ने भी समस्या नहीं बताई है।चूंकि यह केंद्र रेडक्रास सोसायटी द्वारा खोला गया है। लेकिन दवाओं की क्या स्थिति है, पता लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जेपी अस्पताल ने इस केंद्र के लिये जमीन ही उपलब्ध कराई है। जानकार बताते हैं कि यहां निर्धारित मानकों के अनुसार दो हजार प्रकार की दवाएं रखी जानी थीं। औषधि केंद्र संचालन के शुरूआती दिन से ही यह व्यवस्था होना थी। जिला चिकित्सालयों में इन केंद्रों की शुरुआत होने से बड़ी आबादी को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां मिलनी थी।

पर्चे पर लिखी गई दवाएं नहीं

जन औषधि केंद्र के संचालक का कहना है कि तीन सौ प्रकार की दवाओं की कम है। इसे पूरा करने के लिए मांग की गई है। एमआरपी (मिनिमम रिटेल प्राइज) पर दवाएं दी जा रही है। बाजार दर से बहुत ही सस्ते दामों में यहां दवा मिलने के कारण मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। यानी यदि कोई दवा मार्केट में सौ रुपए की है तो वह जन औषधि केंद्र पर 10 रुपए में उपलब्ध हो रही है। बाजार से कम मूल्यों पर मेडीसिन लेने के लिए यहां मरीज तो पहुंच रहे हैं, लेकिन दिक्कत यह है कि जब यहां सभी दवाएं हो तभी मरीज को यहां राहत है।

न्यू मार्केट स्थित टॉप एंन टाउन पर शहर में बाल शोषण की घटना को लेकर बीएसएस कॉलेज ने जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। जिसमें बच्चियों को शोषण से बचने के उपाय बताए गए। -फोटो निर्मल व्यास

नवागत छात्राओं का स्वागत पास आउट को दी गई विदाई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में फ्रेशर और फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया, जिसमें नई छात्राओं का स्वागत किया गया, वहीं पास-आउट बैचों को विदाई दी गई। इस अवसर पर रैंप वॉक, गायन, और नृत्य कार्यक्रम शामिल थे, जो छात्राओं की रचनात्मकता और शैली को प्रदर्शित करते थे। कार्यक्रम में ऋचा यादव (एमबीए- इंटग्रटेड) और हफ्सा शकील (एमबीए) को मिस एसएचआईएम और मिस मेरिटोरियस के खिताब से सम्मानित किया गया, जबकि प्रत्येक कोर्स से ट्विंकल खुशालानी (बीबीए), इल्मा खान (एकीकृत एमबीए) और सुभाना सिद्दीकी (एमबीए) को मिस फ्रेशर से सम्मानित किया गया। इसके छात्राओं को मिस ईव, मिस ग्लैमरस, मिस रेडियंट और मिस डैज़लिंग दिवा जैसे खिताब दिए गए।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में हुआ आयोजन

कार्यक्रम का आयोजन एसएचआईएम कल्चरल क्लब द्वारा किया गया था। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी और निदेशक, डॉ. आशीष ठाकुर मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा: प्रवेश संबंधी सुधार की अंतिम तिथि कल

भोपाल। प्रदेशभर के कॉलेजों में यूजी-पीजी की सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 5 अक्टूबर तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश निरस्तीकरण के बाद फीस वापसी, विषय, पाठ्यक्रम, संकाय परिवर्तन आदि किए जा सकेंगे। प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्थानांतरण की प्रक्रिया तथा प्रवेशित विद्यार्थियों के त्रुटिपूर्ण डेटा में संशोधन भी इस अवधि में किए जा सकेंगे।

लापता युवक की कुएं में मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम अरवलिया में लापता युवक की कुएं में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक बुधवार देर रात से लापता था। उसकी तलाश करते हुए परिजन कुएं के पास पहुंचे और गुरुवार सुबह उसकी लाश कुएं में देखी। कुएं में पानी होने के कारण मोटर खाली कराने के बाद युवक की लाश बाहर निकाली गई। पुलिस के मुताबिक ग्राम ललरिया थाना बैरसिया निवासी ताहिर खान और उनका परिवार खेती-किसानी करते हैं। पिछले कुछ समय से उनके 19 साल के बेटे मेहरान खान का दिमागी संतुलन बिगडा हुआ था। उसका इलाज चल रहा था। भोपाल में इलाज कराने के बाद बुधवार को ही परिजन बेटे को लेकर घर पहुंचे थे। देर रात करीब दो बजे मेहरान घर से बिना बताए चला गया। लापता होने की जानकारी मिलते ही परिजन उसकी तलाश में जुट गए। गुरुवार सुबह परिजन ने कुएं के पास मेहरान की चप्पल रखी देखी। अनहोनी की आशंका होने पर कुएं का पानी खाली कराया गया।

मेट्रो एंकर | प्राकृतिक चिकित्सा मे साधक सीख रहे हमेशा स्वस्थ रहने की कला

आरोग्य केन्द्र में छह दिवस आवासीय शिविर शुरू

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण-प्रशिक्षण मासिक शिविर में छह दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आरसीएम ग्रुप के लोगों को हमेशा स्वस्थ रहने की सूत्र दिए जा रहे हैं। उनकी शारीरिक दिक्कतों का निदान किया जा रहा है। खुद के डॉक्टर खुद बनो का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शुभारंभ मौके पर ग्रुप के भागचंद छाबडा, भीलवाडा कहा कि उनका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा सबको अस्वस्थता से स्वस्थ, रोग रहित स्वास्थ्य प्रदान कराना है, जिससे सदस्य दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वयं स्वस्थ रहें व अपने सम्पर्क में आए अपने परिवार व समाज को दवाइयों से रहित स्वास्थ्य दे सकें। इस शिविर में साधकगण अपक्वाहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं। डॉ गुलाब राय टेवानी ने कहा कि जो व्यक्ति प्राकृतिक चिकित्सा से स्वयं लाभ लेता है। वह अपने परिवार समाज एवं सहभागियों को स्वास्थ्य लाभ दिलवाने का प्रण लेता है। शिविर के पहले दिन साधकों का पंजीयन एवं परामर्श किया गया।शिविर में शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। शाम को विशेषज्ञों के व्याख्यान और शंका समाधान किया जाएगा। बीमारियों को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्वाहार, नींद, शुभ चिंतन व ग्रन जूस को अपनाकर सदैव स्वस्थ रहने के सूत्र दिए जाएंगे।

यह गतिविधियां होंगी

प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला।

आज आएगा दुग्ध संघों की खाक छानने केंद्र का दल, कमियां देखकर उन्हें करेगा ठीक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दुग्ध उत्पादन में तीसरे नंबर वाला मप्र खरीदी व विपणन में बुरी तरह पिछड़ा है। इसका फायदा निजी कंपनियां उठा रही है जिसका नुकसान किसान को तो हो ही रहा है, आम उपभोक्ताओं को भी कोई लाभ नहीं हो रहा है।

इतना ही नहीं, महंगा दूध खरीदना पड़ रहा है, किसान भी परेशान है। मप्र में इसको लेकर किस स्तर पर कमियां हैं, इसको लेकर केंद्र का दल आज शुक्रवार से अगले पांच दिन तक अलग–अलग पैरामीटर पर मूल्यांकन करेगा। इस दल में अनुभवी अधिकारी है, जो प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे, किसानों से, मवेशी पालने वालों से बात करेंगे, दूध का उपयोग करने वालों से भी बातचीत होगी। इस आधार पर रोडमैप तय होगा।

हालांकि यह दल अकेले दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में ही मूल्यांकन करेगा ऐसा नहीं है, बल्कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार के मुताबिक राष्ट्रीय दल के सदस्य प्रमुख रूप से राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम, पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम का भी मूल्यांकन करेंगे।

सीएम मोहन सरकार ने किया है एनडीडीवी से करार

बीते महीने मोहन सरकार ने नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से मप्र के दुग्ध उत्पादन व विपणन क्षेत्र में अमूल–चूल परिवर्तन करने के लिए करार किया है। यह करार त्रिपक्षीय है, जिसमें एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन, एनडीडीवी और प्रदेश के दुग्ध संघ शामिल है। तब सरकार ने दावा किया था कि 11 हजार गांवों में नई सहकारी समितियां खोली जाएंगी। किसानों को दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में मदद करेंगे। विपणन का दायरा बढ़ाएंगे। इसी क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी देंगे। मप्र के पास जो दूध हो रहा है, उसके विपणन की व्यवस्था को और बेहतर बनाकर रोजगार व स्वरोजगार के अवसर खोजेंगे। सरकार ने दावा किया था कि त्रिपक्षीय करार के तहत पांच साल तक मिलकर काम करेंगे।

सिंग्रामपुर में कैबिनेट कल

बुंदेलखंड में सिंचाई रकबा बढ़ाने, युवाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रानी दुर्गावती से जुड़े सिंग्रामपुर में मोहन कैबिनेट की अहम बैठक शनिवार को होगी। इसमें बुंदेलखंड में सिंचाई का रकबा बढ़ाने, प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने जैसे कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं। असल में सिंग्रामपुर के पास सिंगौरगढ़ किला है, जिसे वीरांगना दुर्गावती व उनके पति दलपत शाह ने राजधानी बनाया था। मोहन सरकार ऐसे सभी महापुरुषों, नायकों के गौरव बढ़ाने की दिशा में जुटी है। सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक इसी का हिस्सा है ताकि लोगों का ध्यान ऐसे इतिहासिक स्थलों की ओर जाएं।

यहां होने वाली कैबिनेट बैठक में सरकार वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से दमोह के पीएमश्री कॉलेज का नाम उनके नाम पर किया जा सकता है। सिंग्रामपुर में नया सीएम राइज स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक भवन की सौगात दे सतकी है। क्षेत्र में सिंचाई की जिस बड़ी परियोजना पर विचार कर रही है वह नई भी हो सकती है या फिर पुरानी परियोजना के तहत रकबा बढ़ाया जा सकता है। सिंग्रामपुर कैबिनेट में इन प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है। अधिकारियों के मुताबिक सिंग्रामपुर कैबिनेट बैठक में सरकार दमोह जिले का विजन दस्तावेज जारी करेगी। जिसमें भविष्य के दमोह का खाका होगा। इसी आधार पर आने वाले वर्षों में दमोह का समग्र विकास किया जाएगा। इसके अलावा रानी दुर्गावती के नाम से छात्रवृत्ति योजनाओं का विस्तार, सिंग्रामपुर व आसपास के क्षेत्रों में स्थित शासकीय भवनों व इमारतों का नाम नए सिरे से महापुरुषों के नाम पर रखे जा सकते हैं, सामाजिक क्षेत्र से जुड़े एक शोध केंद्र की स्थापना की जा सकती है।

मंचीय कार्यक्रम भी होगा: कैबिनेट बैठक के बाद इसी दिन मंचीय कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। इसके पहले सिंग्रामपुर व सिंगौरगढ़ जिले का मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रमण भी करेंगे। रानी दुर्गावती के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा। जिनमें सरकार के लगभग सभी कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रहेंगे। इसी दिन प्रदेश की लाड़ली बहनाओं को हर महीने दी जाने वाली किश्त, उज्जवला योजना में की राशि, सामाजिक सुरक्षा के तहत विभिन्न पेंशन के तहत दी जाने वाली राशि भी संबंधितों के खातों में ट्रांसफर की जाएंगी। संकट के साथी व दमोह हेल्पलाइन मोबाइल एप का शुभारंभ, विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों का सम्मान, बाढ़ के दौरान बचाव कार्य करने वालों का सम्मान और दमोह दर्शन पुस्तक का विमोचन किया जाएगा।

स्कूल की अगले सत्र की मान्यता नवीनीकरण भी नहीं होगा, डीईओ को जाएगी रोजाना की रिपोर्ट

अब स्कूल शिक्षा विभाग के हाथों में रेडक्लिफ स्कूल का कंट्रोल व कमान, प्राचार्य नियुक्त

3 साल की मासूम से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने डीपीआई भेजा था प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भदभदा रोड स्थित रेडक्लिफ स्कूल की कमान अब सरकारी हाथों में सौंपी गई है। स्कूल का संचालन अब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी की निगरानी में इस स्कूल के लिए एक सरकारी प्राचार्य नियुक्त किया गया है। बैरसिया स्थित शासकीय हाई स्कूल जम्मू सरकला के प्राचार्य ब्रजेंद्र कुमार कटारे को प्राचार्य की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं यह भी निर्णय लिया गया है कि अब स्कूल की मान्यता अगले सत्र से नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। घटना के बाद सील किया गया स्कूल गुरूवार को प्रशासन की मौजूदगी में खोल दिया है और बच्चों व अभिभावकों की इसकी सूचना देने के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय से आदेश मिलने के बाद यह कार्यवाही की गई है। स्कूल के 324 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी, जिसे देखते हुए विभाग ने यह निर्णय लिया है। स्कूल खुलवाने के साथ ही बच्चों और अभिभावकों को सूचना देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्राचार्य द्वारा अभिभावकों के साथ बैठक की जाएगी। पूरे स्टाफ का पुलिस सत्यापन होगा। जो भी कमी हैं उन्हे पूरा कराया जाएगा।

जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद भेजा था प्रस्ताव

बता दें कि उल्लेखनीय है कि मामला सामने आने के बाद 6 सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लोक शिक्षण संचालनालय को प्रस्ताव भेजा था। मामले में जांच के लिए दो टीमें बनाई गई थीं। पहली जांच रिपोर्ट में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई थी। वहीं, दूसरी कमेटी ने स्कूल के संचालन को लेकर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को दी थी। कलेक्टर द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय को भेजे गए प्रस्ताव के बाद विभाग ने यह निर्णय लिया है।

दुष्कर्म की घटना 18 सितंबर को सामने आई थी

दरअसल, कमला नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी स्कूल के शिक्षक द्वारा तीन वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म की घटना 18 सितंबर को सामने आई थी। मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी कासिम रेहान को गिरफ्तार किया था। घटना के विरोध में छात्र संगठन, अभिभावकों सहित अन्य संगठनों ने स्कूल की मान्यता समाप्त करने को लेकर स्कूल के समामने विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद जिला प्रशासन ने मामले में जांच के लिए अलग-अलग समितियां बनाई थी।

रीवा को इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से पहले हवाई सौगातें मिलने के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी दिनों में विंध्य क्षेत्र में प्रस्तावित रीजनल इन्वेस्टर्स समिट से पहले रीवा एयरपोर्ट से हवाई कनेक्टिविटी शुरू होने के साथ ही मप्र को देश के प्रमुख शहरों से नई उड़ाने मिलने के आसार बढ गये हैं। हाल में डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने रीवा एयरपोर्ट को हवाई सेवाओं के ऑपरेशन का लाइसेंस भी दे दिया है। चूंकि प्रदेश में अगली रीजनल इन्वेस्टर्स समिट रीवा में ही होनी है। इसलिए सरकार की प्राथमिकता पूरे विंध्य क्षेत्र को हवाई कनेक्टिविटी से जोड़न की है।

इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से दिल्ली में मुलाकात की।सीएम ने रीवा एयरपोर्ट पर ऑपरेशनल तैयारियों और मप्र सरकार की आगामी योजनाओं पर नायडू से चर्चा की। यहां एयर ट्रैफिक की संभावनाओं की जानकारी केंद्रीय मंत्री को देते हुए बताया कि इससे विंध्य क्षेत्र की जनता को तो लाभ मिलेगा ही, बल्कि खनिज और पॉवर सेक्टर में नए निवेश के द्वार खुल जाएंगे।

कोयंबतूर के निवेशकों का दल भोपाल आया, मंत्री कश्यप से निवेशकों ने की भेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूक्ष्म, लघु एवम मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन कुमार काश्यप से मंत्रालय में आज कोयम्बतूर से आए निवेशकों ने भेंट की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत माह कोयम्बतूर में निवेशक रोड शो कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया था। मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने कोयंबटूर से आए निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एमएसएमई विभाग के अधिकारियों के साथ इन निवेशकों की बैठक कराई और निर्देश दिए कि निवेशकों को राज्य शासन की उद्योग मित्र नीतियों से अवगत कराएं।

पीएम सूर्य घर योजना में मिलेगी करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार द्वारा देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इसके लिए देशभर के उपभोक्ताओं को इस योजना में शामिल करके पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ने का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है।

इसी क्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के 09 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा गया है। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट अथवा उपाय एप, वॉट्सएप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। पीएम सूर्य घर योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली की सुलभता के साथ आर्थिक बचत करवाना शामिल है।

उच्च शिक्षा: प्रवेश संबंधी सुधार की अंतिम तिथि कल

भोपाल। प्रदेशभर के कॉलेजों में यूजी-पीजी की सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 5 अक्टूबर तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश निरस्तीकरण के बाद फीस वापसी, विषय, पाठ्यक्रम, संकाय परिवर्तन आदि किए जा सकेंगे। प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्थानांतरण की प्रक्रिया तथा प्रवेशित विद्यार्थियों के त्रुटिपूर्ण डेटा में संशोधन भी इस अवधि में किए जा सकेंगे। हालांकि, इस अवधि में किसी भी प्रकार के नए प्रवेश मान्य नहीं किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर

श्रम विभाग मोटर परिवहन संस्थानों में चलाएगा अभियान

अब बस-ट्रक के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर का मप्र सरकार कराएगी श्रमिक पंजीयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब मप्र सरकार बस, ट्रक, लोडिंग वाहनों के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर का श्रमिक पंजीयन कराने वाली है। इसके लिए श्रम विभाग मोटर परिवहन संस्थानों में लगे श्रमिकों के पंजीकरण का एक माह तक अभियान चलाएगा। इस संबंध में श्रमायुक्त धनराजू एस ने सभी श्रम अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

इसकी वजह यह भी है कि मोटर परिवहन संस्थानों में ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर, लोडिंग एवं अनलोडिंग करने वाले मजदूर की श्रेणी में आते हैं। इन श्रमिकों के कल्याण के लिए मोटर यातायात श्रमिक अधिनियम 1961 के तहत ऐसे संस्थानों के पंजीयन का प्रविधान है। प्रदेश में मोटर यातायात परिवहन संस्थानों व उनमें कार्यरत श्रमिकों की संख्या बहुतायत है, लेकिन इसके बावजूद ये पंजीकृत नहीं हैं। ऐसे में इन संस्थानों में लगे श्रमिक, श्रम कानूनों के तहत सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित रहते हैं। बताया जाता है कि आगामी एक माह में अभियान चलाकर संबंधित शासकीय, अर्धशासकीय, निजी निकायों, संस्थानों के अंतर्गत संचालित मोटर यातायात संस्थान एवं ट्रांसपोर्ट आनर्स, एसोसिएशन आदि से संपर्क कर उन्हें भी अधिनियम के अंतर्गत पंजीयन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे कि पंजीयन एवं नवीनीकरण की संख्या में वृद्धि हो सके और इनमें नियोजित श्रमिकों को श्रम कानूनों के प्रविधानों का लाभ मिल सके।

इसलिए नहीं मिलता लाभ

माना जाता है कि श्रम अधिकारियों द्वारा ऐसे संस्थानों का पंजीयन अधिनियम के अनुसार नहीं किया जा रहा है और न ही उनका नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। ऐसे में इन संस्थाओं के श्रमिकों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है।इससे इन संस्थानों में लगे श्रमिकों को श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले विभिन्न लाभ जैसे न्यूनतम मजदूरी, साप्ताहिक अवकाश व अन्य अवकाश, ओवर टाइम, यूनिफार्म एवं चिकित्सा सुविधाएं आदि नहीं मिल पा रही है।

संपादकीय

सिवाय नुकसान के कुछ हासिल नहीं

दुनिया इस वक्त नए तनाव का सामना कर रही है। छोटी-सी गाजा पट्टी पर शुरू हुई लड़ाई बेकाबू जंग का रूप लेती जा रही है। यानि हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद जिस बात की आशंका जताई जा रही थी, वह सही होती लग रही है। ईरान का इजरायल पर ताजा हमला इस बात का साफ संकेत है कि दोनों पक्ष हमलों का जवाब हमलों से देने पर आमादा हैं। मगर इसे पूरी तरह युद्ध में बदलना बेहद खतरनाक होगा। लिहाजा अब यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कम से कम जंग और तेज न हो, इसका दायरा और न फैले। सऊदी अरब और यूएई जैसे मुल्क अभी तक इस संघर्ष से दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन युद्ध जिस तरह से फैल रहा है, उसमें अरब देशों का बहुत देर तक तटस्थ रहना शायद संभव न रह पाए। भारत के सामने सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती होगी कि वह इजरायल और अरब वर्ल्ड के बीच किस तरह से संतुलन साधता है। हमास के साथ संघर्ष में शामिल होने के पहले इजरायल और यूएई पास आते दिख रहे थे। आर्थिक और दूसरे क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग के लिए 2021 में भारत,इजरायल,यूएई और अमेरिका ने मिलकर फोरम गठित किया था। इसी तरह, पिछले साल इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर की घोषणा हुई थी। युद्ध का फैलाव इस तरह के प्रयासों के लिए तगड़ा झटका होगा। ईरान के संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से रेड सी ट्रेडिंग रूट पर असर पड़ने की आशंका है। यह इकलौती वजह काफी है भारत की चिंता बढ़ाने के लिए। यह समुद्री रास्ता हिंदुस्तान को यूरोप, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व से जोड़ता है। पिछले वित्तीय वर्ष में देश का करीब 50 फीसद निर्यात और 30 फीसद आयात इसी रूट से हुआ था। लाल सागर तक संकट खिंचने का मतलब होगा कारोबार के लिए लंबा समुद्री रास्ता तय करना। इससे ट्रांजिट कॉस्ट बढ़ जाएगी। किराये पर असर पड़ेगा, डिलिवरी में देरी होगी और कंपनियों का मुनाफा घटेगा। पिछले साल जब हूती विद्रोहियों ने रेड सी रूट पर जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था, तब भी व्यापार में काफी अड़चन आई थी। उसकी वजह से कंपनियों की सामान लाने ले जाने की लागत अभी तक बढ़ी ही है। इस बार तो खतरा पहले से कहीं ज्यादा गंभीर है। ईरान के इजरायल पर मिसाइल अटैक के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखी जा रही है, जबकि इससे पहले इसमें कमी आई थी। भारत अपनी तीन चौथाई से अधिक तेल जरूरतों के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भर है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से भारतीय इकॉनमी पर दबाव बढ़ेगा। कुल मिलाकर, अगर यह युद्ध फैलता है तो आर्थिक संकट का दुष्चक्र शुरू होगा, जिसकी कीमत दूसरे देशों सहित भारत को भी चुकानी पड़ेगी। भारतीय शेयर बाजार में इसकी झलक मिल चुकी है। कल करीब 12 सौ अंक तक जब सेंसेक्स लुढका तो निवेशकों और कंपनियों की सांसे अटकने लगी थी। इससे बाजार पूंजीकरण पर भारी कमी भी आई है, जबकि भारतीय शेयर बाजार काफी समय से गुलजार नजर आ रहे हैं। सेंसेक्ट और निफ्टी लगातार नई ऊंचाई पर पहुंचते रहे हैं, लेकिन कल का झटका पूरी तरह इजरायल के तेवरों के खौफ से उभरा, यदि इजरायल पर विश्व बिरादरी की बातों का असर नहीं हुआ तथा उसने अपने तेवर नहीं बदले तो निश्चित तौर पर न सिर्फ खुद उसे बल्कि दुनिया के कई देशों को परोक्ष या अपरोक्ष तौर पर नुकसान उठाना पडेगा और इसकी भरपाई होने में बहुत लंबा वक्त लग जाएगा।

> अपने हाल में आगे बढ़ती जिंदगी को इंसान के हालात से कोई फर्क नही पड़ता बल्कि वहां हमें भी आगे बढ़ना पड़ता है

आज का इतिहास

- 1227 खलीफा अल-आदिल की हत्या की गई।
- 1725 अर्जेंटीना में रोजारियो की स्थापना की गयी।
- 1779 अमेरिकी क्रांति जेम्स विल्सन और उनके सहयोगियों को एक भीड़ के बाद खुद का बचाव करने के लिए लागू किया गया था, निर्वासन से 23 लोगों के अपने सफल कानूनी अपराध से नाराज होकर, अपने घर पर धर्मान्तरित कर दिया, जिससे इंसिक्स की मौत हो गई।
- 1779 जेम्स विल्सन और अन्य लोगों के खिलाफ फिलाडेल्फिया में द फोर्ट विल्सन दंगे हुए।
- 1824 मेक्सिको ने अपने पहले संविधान को लागू किया, राष्ट्र को अफ्रीकी गणराज्य के रूप में परिभाषित किया।
- 1824 मेक्सिको एक गणतंत्र राज्य बन गया।
- 1830 नीदरलैंड से अलग होकर बेल्जियम साम्राज्य बना।
- 1830 अस्थायी सरकार ने नीदरलैंड से बेल्जियम की अलगाव की घोषणा
- 1832 बावेरिया के राजकुमार ओटो, राजा लुडविग द्ध का दूसरा पुत्र, यूरोप की प्रमुख शक्तियों द्वारा ओथॉन बनने के लिए चुना गया, जो यूनानी राष्ट्र के स्वतंत्रता के पुनर्मूल्यांकन के बाद ग्रीस का पहला राजा था।
- 1862 कुरिन्थ का युद्ध समाप्त किया गया।
- 1876 टेक्सास ए एंड एम; अमेरिका के टेक्सास राज्य में पहली सार्वजनिक शिक्षण संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय खोला गया।
- 1880 कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की स्थापना लॉस एंजिल्स में की गई
- 1895 पहला यू.एस. ओपन गोल्फ टूर्नामेंट न्यूपोर्ट कंट्री क्लब में न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में नौ-होलकोर्स पर आयोजित किया गया था।

निशाना

बार बार अपमान !

- कृष्णेन्द्र राय

बड़ी बड़ी बातें ।
करते ग़लत प्रहार ।।
हैं अभी तक वहीं पर ।
ना बदला व्यवहार ।।
कैसे कोई सौंप दे ।
इनको फिर कमान ।।
कर रहे बुजुर्गों का ।
बार बार अपमान ।।
समय विनाश काल है ।
है बुद्धि विपरीत ।।
लगता लगभग भूल चुके ।
अपना वो अतीत ।।
कोई पाठशाला भी ।
ना लाई बदलाव ।।
होकर के लाचार वो ।
छोड़ रहे प्रभाव ।।

मुडा केस: मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए 'रास्ता बंद है', अब क्या-क्या हैं विकल्प?

■ डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी

मुडा (मैसूरु अरबन डेवलपमेंट अथॉरिटी) केस में कर्नाटक के सीएम फंसे हैं। उन पर ईडी का शिकंजा कसा है। झारखण्ड के मु?यमंत्री हेमंत सोरेन और और दिल्ली मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के बाद वे तीसरे विपक्षी मुख्यमंत्री हैं, जो ईडी की जांच में फंसे हैं। वे केजरीवाल की राह नहीं अपना सकते, क्योंकि वे अपनी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं है। इस जमीन घोटाले का मामला इसलिए भी गरमाया हुआ है कि इसके तार सीधे राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े हैं। यह घोटाला 3.2 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार में दिया था। मैसूरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस जमीन का अधिग्रहण किया था। उसके बाद पार्वती ने मुआवजे की मांग की और फिर उन्हें 14 प्लॉट आवंटित किए गए। कहा जाता है कि ये प्लॉट मूल भूमि के टुकड़े से काफी अधिक कीमत के हैं। अब उनकी पत्नी पार्वती की ओर से मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है।

सीएम सिद्धारमैया का कहना है कि उनकी पत्नी ने उनके (सिद्धारमैया) खिलाफ चल रही 'नफरत की राजनीति' का शिकार होकर यह निर्णय लिया है। पार्वती के इस निर्णय से मैं भी हैरान हूँ। सिद्धारमैया की पत्नी बीएन पार्वती ने मुडा के कमिश्नर को पत्र में लिखा कि मुझे कसाबा होबली के केसारे गांव में मेरे 3 एकड़ और 16 गुंठा जमीन के बदले मैसूर में विजयनगर के तीसरे और चौथे फेज में 14 वैकल्पिक प्लॉट आवंटित किए गए थे। मैं सेल डीड कैंसिल करके 14 साइटों को वापस करना चाहती हूं। मुडा ने उनकी अपील मान ली है। सरल शब्दों में गांव में जमीन अधिग्रहण किया गया। बदले में शहर के पॉश इलाके में 14 प्लॉट दे दिए गए। आरोप है कि इस डील से प्लॉट पाने वालों को करीब 55 करोड़ 80 लाख का फायदा हुआ। प्लॉट पार्वती और उनके अन्य रिश्तेदारों के नाम थे। इलाके के आरटीआई कार्यकर्ता सक्रिय हुए। जांच की मांग गई। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस मामले की जांच की अनुमति दी थी, जिसे सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि यह निर्णय संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन करता है और राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह को नजरअंदाज किया। हालांकि, कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि मामले में जांच जरूरी है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री के परिवार का प्रत्यक्ष लाभ है। अब इस केस में लोकायुक्त पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिनमें भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कई सेक्शन्स शामिल हैं। मामला ईडी यानी प्रवर्तन डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया है जिसने इसे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले के रूप दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। अब सिद्धारमैया की अगली रणनीति अपने राजनीतिक करियर और मुख्यमंत्री पद की रक्षा करने के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी। सिद्धारमैया के पास कानूनी विकल्पों का सहारा लेने का मौका है। वे उच्चतम न्यायालय में राज्यपाल द्वारा दी गई जांच की मंजूरी को चुनौती दे सकते हैं।कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन वे सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं, यह दावा करते हुए कि राज्यपाल का आदेश नियमों का उल्लंघन करता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है। एफआईआर में सिद्धारमैया को प्रमुख आरोपी के रूप में नामित किया गया है, और उनके परिवार के अन्य सदस्य भी इसमें आरोपी हैं। इस मामले का राजनीति और कानून दोनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है, क्योंकि सिद्धारमैया इस समय कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं, और यह मामला उनकी छवि को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। सिद्धारमैया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, वे लोकायुक्त की जांच में सहयोग करने का रुख अपना सकते हैं। यह कदम उनकी छवि को सुधारने और यह दिखाने के लिए हो सकता है कि वे किसी प्रकार की अनियमितताओं में शामिल नहीं हैं। 14 प्लॉट्स का लौटाना इसी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।राजनीतिक रूप से, सिद्धारमैया अपनी पार्टी, कांग्रेस का समर्थन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पार्टी के भीतर और बाहर, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इस केस के कारण उनके नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद पर असर न पड़े। कांग्रेस आलाकमान और वरिष्ठ नेताओं का समर्थन प्राप्त करना उनकी प्राथमिकता होगी। वे जनता से संवाद और सहानुभूति का माहौल कोशिश भी करेंगे कि कैसे उन्हें राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है।

वे अपने समर्थकों के बीच यह संदेश फैलाने का प्रयास करेंगे कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। वे इसे अपने खिलाफ एक राजनीतिक साजिश के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि जनता की सहानुभूति प्राप्त कर सकें। इसके अलावा वे इस विवाद के बीच अपने प्रशासनिक कार्यों और कर्नाटक सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इससे वे अपनी छवि को सुधारने और यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि वे अपने पद पर मजबूती से कायम हैं और राज्य के हित में काम कर रहे हैं। सिद्धारमैया इस मामले को कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर संभालने की कोशिश करेंगे, ताकि उनके खिलाफ उठने वाले आरोपों का प्रभाव कम हो सके और उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत बनी रहे। सिद्धारमैया को कोर्ट से राहत मिलना फिलहाल मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ चल रही लोकायुक्त की जांच को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने यह माना कि राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरीऔर मामले की जांच वैध हैं। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। हालांकि, सिद्धारमैया के पास अभी भी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प है, जहां वे राज्यपाल के आदेश और उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे सकते हैं।यदि सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में कोई निर्णय देता है, तो उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। लेकिन वर्तमान स्थिति में, हाई कोर्ट का निर्णय उनके खिलाफ है, और जांच भी तेजी से आगे बढ़ रही है।इसलिए, जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं आता, उनके लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जब उच्च न्यायालय का निर्णय किसी पक्ष के खिलाफ जाता है, तो वह पक्ष सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर सकता है। सिद्धारमैया के मामले में, यह याचिका राज्यपाल द्वारा लोकायुक्त जांच की मंजूरी को चुनौती देने के लिए हो सकती है। वे सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगा सकते हैं कि हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी जाए और जांच पर रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट पहले यह तय करेगा कि विशेष अनुमति याचिका स्वीकार की जाए या नहीं। अगर कोर्ट मानता है कि मामला महत्वपूर्ण है और इसमें अपील का आधार है, तो इसे स्वीकार किया जाएगा। अगर विशेष अनुमति याचिका स्वीकार कर ली जाती है, तो इसके बाद सुनवाई की तारीख निर्धारित की जाएगी। प्रारंभिक सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट यह तय कर सकता है कि हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई जाए या न लगाई जाए। यदि सुप्रीम कोर्ट प्राथमिक स्तर पर राहत देने के लिए तैयार होता है, तो वह जांच या अन्य कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में सिद्धारमैया के वकील यह दावा कर सकते हैं कि राज्यपाल का आदेश असंवैधानिक है या राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। अगर उच्चतम न्यायालय सुनाने को तैयार होता है तो सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट किसे सही ठहराती है किसे नहीं।अगर कोर्ट सिद्धारमैया के पक्ष में निर्णय आता है, तो राज्यपाल के आदेश और जांच प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।अगर कोर्ट उनके खिलाफ फैसला सुनाता है, तो जांच आगे बढ़ेगी और मामले में कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की योजना बनाई है। हालांकि, अभी तक सुप्रीम कोर्ट में उनकी अपील की तारीख तय नहीं हुई है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ जांच को को रोकने से इनकार कर दिया था। इस फैसले के बाद, सिद्धारमैया की कानूनी टीम सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश या राहत प्राप्त करने के लिए प्रयास कर सकती है, लेकिन प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई स्थगन आदेश नहीं मिलता, जांच रुकने की संभावना कम है। अगर उच्चतम न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाता है, तो ही एफआईआर रद्द हो सकती है। अभी उसके रद्द होने की कोई स्पष्ट संभावना नहीं दिख रही है। जाहिर है कि सिद्धारमैया के लिए रास्ता बंद है।

- साभार. यह लेखक के विचार हैं।

मुस्कान से आसान होती है मुश्किलें

विश्व मुस्कान दिवस
4 अक्टूबर पर विशेष

■ ललित गर्ग

प्रत्येक अक्टूबर के पहले शुक्रवार को यानी इस वर्ष 6 अक्टूबर को विश्व मुस्कान दिवस है। आज मनाए जाने वाले विश्व मुस्कान दिवस के पीछे वॉर्सेस्टर, मैसाचुसेट्स के एक अमेरिकी वाणिज्यिक कलाकार हार्वे बॉल के दिमाग की उपज थी। प्रतिष्ठित स्माइली फेस 1963 में उनके द्वारा बनाया गया था। तब से, इसने सभी के सामूहिक आनंद को कैद कर लिया है। 1999 में पहला स्माइल डे बिना किसी बाधा के उत्साह और धूमधाम से मनाया गया था, क्योंकि मुस्कुराहट एक ऐसी अभिव्यक्ति है जिसमें अनेक समस्याओं एवं परेशानियों के हल समाये होते है। 2001 में, हार्वे के निधन के बाद, 'स्माइली' निर्माता को श्रद्धांजलि के रूप में हार्वे बॉल वर्ल्ड स्माइल फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। इस दिन को स्थापित करने वाले मैसच्यूसेट्स के आर्टिस्ट हार्वे बाल के अनुसार हम सभी को हर साल एक दिन पूरी दुनिया में मुस्कुराने और दयालु बनने के लिए समर्पित करना चाहिए। क्योंकि मुस्कुराता हुआ चेहरा किसी भी राजनीतिक, भौगोलिक और धार्मिक बातों को नहीं जानता। सिर्फ आज के दिन मुस्कुराने की बजाय आप रोज मुस्कुराने की आदत बनाइये। इससे ना केवल आपकी मुश्किलें आसान होंगी बल्कि आपके चाहने वाले भी आपको देखकर खुश रहेंगे। अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास के लिये मुस्कान जरूरी है। आज के तनाव, अशांत, चिन्ता एवं परेशानियों के जीवन में मुस्कान की तीव्र आवश्यकता है। क्योंकि हँसना और मुस्कुराना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। मुस्कान हमारे जीवन की सफलता की चाबी है, वह अनेक समस्याओं का समाधान भी है। मुस्कान दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। शोध कहते हैं कि जैसे-जैसे हम बढ़े हो रहे हैं, हमारा मुस्कुराना कम हो रहा है। हम इसलिए कम नहीं मुस्कुराते कि हम बूढ़े हो गए हैं। हम बूढ़े ही इसलिए हुए कि हमने मुस्कुराना बंद कर दिया है। करूणामूर्ति मदर टेरेसा ने कहा, शांति की शुरुआत मुस्कुराहट से होती है। आपकी खुशी आपके होठों से शुरू होती है। इस वर्ष आप विश्व मुस्कान दिवस पर, अपने होठों को थो?ा सा मोड़ना न भूलें। यह संक्रामक होगा और आपके चारों ओर एक सकारात्मक वातावरण तैयार करेगा।

सेहत का एक मंत्र यह है कि आप खुलकर मुस्कुरायें। हमें मुस्कुराना चाहिए और बात-बेबात मुस्कुराते रहना सफल एवं सार्थक जीवन का मंत्र हैं। पर कई बार पूरा पूरा दिन बिना मुस्कान के निकल जाता है। उदासी और बेचैनियों के बादल छाए रहते हैं,

मुस्कान की धूप खिल नहीं पाती। मुस्कुराना-हंसना एक ऐसा सकारात्मक भाव है जो व्यक्ति के न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी स्वरूप को समृद्धिशाली एवं प्रभावी बनाता है। मुस्कान एक शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने की क्षमता हैं। यह व्यक्ति के विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में मुस्कुराता है तो उसकी मुस्कान से सकारात्मक ऊर्जा सम्पूर्ण परिवेश में व्याप्त हो जाती है।

आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में व्यक्ति अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है, फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ, जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि को निमंत्रण दे रहा है। मुस्कुराने से ऊर्जा और ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है। शरीर में से दूषित वायु बाहर निकल जाती है। हमेशा खुलकर मुस्कुराना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है। साथ ही शरीर में रक्त संचार की गति को बड़ाता है। इसके अलावा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। इसलिये डॉक्टर भी हर बीमारी के रोगी के लिये मुस्कुराने को उपयोगी बताते हैं। क्योंकि जोर-जोर से कहकहे लगाने एवं मुस्कुराने से पूरे शरीर में प्रत्येक अंग को गति मिलती है। इससे शरीर में मौजूद हारमोन दाता प्रणाली (एंडोफ्राइन ग्रंथि) सुचारुरूप से चलने लगती है, जो कि कई रोगों से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। जो लोग हमें अपनी बातों से, अपने कार्यों एवं सोच से हमें मुस्कान देते हैं, वे हमारी स्मृतियों में रच-बस जाते हैं। हम किसी को पसंद या नापसंद कई कारणों से कर सकते हैं। पर लंबे समय तक हमारे प्रेम के हकदार वे लोग बनते हैं, जो हमें हंसाते हैं और हमारे चेहरे की मुस्कान लाते हैं। शायद इसीलिए विक्टर बोर्ग कहते हैं, 'हंसी दो लोगों के बीच की दूरी को पार करने का सबसे छोटा पुल है।' हंसना-मुस्कुराना एक ऐसा बेशकीमती उपहार है, जो कुदरत ने केवल मनुष्य को ही बख्शा है। हास्य एवं मुस्कान एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। यह इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम है। मुस्कान एवं हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी-मुस्कान ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। मुस्कुराने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास एवं मुस्कान पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है। हंसने-हंसाने-मुस्कुराने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है और दिल से मुस्कुराना तो किसी दवा से कम नहीं है। मुस्कान एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। प्रमुख विद्वान थैकर एवं शेक्सपियर जैसे विचारकों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि प्रसन्नचित व्यक्ति अधिक जीता है। मनुष्य की आत्मा की संतुष्टि, शारीरिक स्वस्थता व बुद्धि की स्थिरता को नापने का एक पैमाना है और वह है चेहरे पर खिली प्रसन्नता। लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सोफी स्कॉट कहती हैं कि, 'हंसी के द्वारा हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि, हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जापान में भगवान बुद्ध के शिष्य थे होतेई। वह बड़े अलमस्त स्वभाव के भिक्षुक थे। वह बेहद निर्लिप्त और निरपेक्ष भाव से जीवन जीने में विश्वास रखते थे। वह जिस कार्य को करते, उसमें पूरी तरह डूब जाते थे, तन्मय हो जाते। जापान में ऐसी मान्यता है कि एक बार होतेई मेडिटेशन करते-करते इतने रोमांचित हो गए कि ध्यानावस्था में जोर-जोर से हंसने-मुस्कुराने लगे। इस अद्भुत घटना के उपरांत ही लोग उन्हें लाफिंग बुद्धा के नाम से संबोधित करने लगे। घूमना-फिरना, देशाटन करना, लोगों को मुस्कान व खुशी प्रदान करना लाफिंग बुद्धा का ध्येय बन गया। चीन में लाफिंग बुद्धा को पुताई के नाम से भी जाना जाता है। चीनी लोग उन्हें एक ऐसे भिक्षुक के नजरिए से देखते हैं, जो एक हाथ में धन-धान्य का थैला लिए, चेहरे पर खिलखिलाहट बिखेरे अपना बड़ा पेट और थुलथुल बदन दिखाकर सभी को मुस्कन देते हुए सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। वे समृद्धि व खुशहाली का संदेशवाहक और घरों के वास्तुदोष निवारण का प्रतीक भी माने जाते हैं। जापान जैसे देशों में लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते-मुस्कुराते रहने की शिक्षा देते हैं, ताकि उनकी भावी पीढ़ी सक्षम एवं तेजस्वी हो। दुनिया के अधिकतर देश आतंकवाद के डर से सहमे हुए हैं, हर व्यक्ति के अंदर घबराहट और अशांति का कोहराम मचा हुआ है। ऐसे दौर में केवल मुस्कान ही दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर टेरीजा एमाबाइल ने कहा है कि, हँसते समय हमारा दिमाग सबसे अधिक क्रिएटिव होता है। हमें न केवल पारिवारिक परिवेश में बल्कि ऑफिस में हंसी-मजाक, मुस्कुराने को बड़ावा देना चाहिए। ऑफिस का माहौल मेल-जोल और हंसी मजाक वाला हो, जिससे टीम के बीच काम के प्रति उत्साह का संचार हो सके। खूबसूरत चेहरे के लिए मुस्कान कारगर साबित हो सकता है। मुस्कुराने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बड़ती है, जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मेडिकल प्रयोगों में पाया गया है कि, 10 मिनट तक मुस्कुराते रहने से दो घंटे की गहरी नींद आती है। मुस्कुराने वाले व्यक्तियों के कई सारे मित्र बन जातें हैं और इस प्रकार उनमें भाईचारा और एकता की भावना कब उत्पन्न होती हैं, पता ही नहीं चलता। डर, भय, असुरक्षा, आतंकवाद से हर इंसान सहमा हुआ है, तब 'मुस्कान दिवस' की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले इस दुनिया में इतनी अशांति कभी नहीं देखी गई। इस व्यस्त, अशांत एवं तनावग्रस्त जिंदगी में लोग कम से कम एक दिन तो अपने लिए निकालें और जी भरकर मुस्करायें।

- साभार

कलेक्टर ने ली संयुक्त विभागीय जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक

एप के माध्यम से कार्य होंगे, कर्मचारी सकारात्मक दृष्टिकोण रखें: कलेक्टर

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना ने गुरुवार को संयुक्त विभागीय जिला परामर्श दात्रि समिति की बैठक में कर्मचारी संगठनों से कहा कि कर्मचारी सिमित संसाधनों में उत्कृष्ट कार्य करके दिखा रहे हैं। कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य करने से ही शासन प्रशासन मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर की छवि बनती है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सभी कार्य एप के माध्यम से किए जाएंगे। विभिन्न प्रकार के एप के प्रति कर्मचारी सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। बैठक में कर्मचारी संगठनों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने कहा कि कर्मचारी संगठनों की जितनी मांगे हैं वह सब जायज हैं, उनकी भावनाएं जायज है। कुछ बिंदु पर जिला स्तर से कार्यवाही होना है जिसमें हम कर्मचारी संगठनों के साथ समन्वय कर समस्याओं का निराकरण कर लेंगे। वहीं पदोन्नति जैसे मामले हैं जो शासन स्तर से होने हैं वहां प्राथमिकता से शासन को इस बात से अवगत कराया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि फील्ड लेवल का कार्य हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। एक आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सचिव पटवारी तथा डॉक्टर फील्ड लेवल पर कार्य करते हैं तो यह उनकी प्रतिदिन की परीक्षा है। कलेक्टर ने कहा कि हम सबको शासकीय कार्य करने में आनंद का अनुभव होता है, यदि कोई कर्मचारी अवकाश के दिनों में कार्य करना चाहता है तो वह अवश्य करें। उन्होंने कहां की फील्ड लेवल का कार्य सबसे महत्वपूर्ण एवं कठिन है, इसमें हर समय जनता की भलाई के लिए कार्य किया जाता है, हम सब का दायित्व है कि हम शासन के उद्देश्यों की प्राथमिकता से पूर्ति करें। जनता को शासकीय योजनाओं एवं लाभ से अधिक से अधिक लाभान्वित करें। कलेक्टर ने कहा कि आने वाले दिनों में विकासखंड एवं तहसील स्तर पर भी परामर्श दात्री समिति की बैठके आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि परफॉर्मेंस ऑफ़ द मंथ के तहत हर विभाग प्रतिमाह अपने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करता है। कलेक्टर ने कहा कि आवश्यकता है कि ग्राम स्तरीय अमला भी अच्छा कार्य करें। कर्मचारियों के बेहतरीन कार्य करने से जनता के बीच एक सकारात्मक छवि निर्मित होती है। कलेक्टर ने कहा हमारी नौकरी हमारे जीवन का आधार है। कलेक्टर ने बताया कि अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय में बैठकर कार्य करते हैं तो आवश्यकता है कि

कार्यालय साफ एवं स्वच्छ रहे। कार्यालय आने वाले आम जनता से सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मधुर व्यवहार करें। प्राथमिकता से उनकी समस्या एवं प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने कहा कि समिति की बैठक से एक सकारात्मक परिणाम निकलकर आएगा। कलेक्टर कहां की हम सब पर्व एवं त्योहार पर भी अपनी ड्यूटी निभाते हैं ताकि जनता अपने पर्व एवं त्यौहार अच्छे से मना सके। यह हमारे शासकीय नौकरी का एक दायित्व है जिसे हमें पूरा करना होता है। बैठक में आदिवासी अंचलों के लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का मामला कर्मचारी संगठनों ने उठाया इस पर कलेक्टर ने कहा कि जिस जगह नेटवर्क मिल रहा है वहां पर क्लस्टर अनुसार लोगों को एकत्रित कर जिला परिवहन अधिकारी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए कैंप आयोजित करेंगे। बैठक में कर्मचारी संगठनों ने मांग की की वर्ष में एक बार कर्मचारियों को उनकी सेवा पुस्तिका दिखाई जाए और उनके हस्ताक्षर लिए जाएं। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि कई विभाग ऐसे हैं जहां पर वर्षों से कर्मचारियों की सीआर नहीं लिखी गई है, इससे कर्मचारियों की पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान में विलंब हो रहा है। कर्मचारी संगठनों ने बताया कि जहां पर पद खाली है वहां पर उच्च पद का प्रभार कर्मचारियों को दिया जाए। उन्होंने कहा कि कई बार शासकीय अवकाशों पर भी कर्मचारियों से कार्य लिया जाता है। पर्व एवं त्योहारो पर भी हर बार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है इससे कर्मचारी स्वयं अपने परिवार के साथ पर्व एवं त्यौहार नहीं मना पाते है। कर्मचारी संगठनो के पदाधिकारी ने बताया कि कई एप कार्य सुविधा की दृष्टिकोण से बनाए गए हैं लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से कई बार एप पर कार्य नहीं कर पाते हैं।

कर्मचारी संघो ने मांग की की आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सचिव को समय पर वेतन मिल जाए। वही अजाक्स संगठन के कर्मचारियों ने मांग की की अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लोगों के आवेदन थाने में प्राथमिकता से लिए जाएं। बताया गया कि सभी विभागों में बैकलांग के पद रिक्त हैं। उन पदों को प्राथमिकता से भरा जाए। आउटसोर्स की भर्ती में आरक्षण रोस्टर का पालन किया जाए। अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति समय पर मिले। कुछ विभागों में उच्च पद का पदभार लागू नहीं है उसे लागू किया जाए। कलेक्ट्रेट में नेटवर्क प्रॉब्लम है उसकी फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जाए। पटवारी की तरह ही राजस्व निरीक्षकों को भी लैपटॉप दिया जाए। बैठक में अधिकारी और कर्मचारी संगठनों के जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के दिए निर्देश

रायसेन. दोपहर मेट्रो।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने आयुष्मान भारत योजना के तहत जिले में शेष रहे हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्य की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कुछ निकायों और जनपदों में आयुष्मान कार्ड बनाने की गति बेहद कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है तथा सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। इसमें लापरवही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री दुबे ने निकाय और जनपदवार निर्धारित लक्ष्य और अभी तक बनाए गए आयुष्मान कार्डो की जानकारी लेते हुए आगामी 15 दिवस में सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश सीएमएचओ, जनपद सीईओ, बीएमओ तथा सीएमओ को दिए। उन्होंने वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम को अनुभागवार स्तर पर प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से शासन द्वारा 02 से 11 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे ÷शक्ति अभिनंदन अभियान÷ के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महिला बाल विकास, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा महिला नेतृत्व आधारित विकास, महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर केन्द्रित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का निरंतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उन्होंने शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत निर्धारित चार्ट अनुसार महिला सुरक्षा पर पेंटिंग प्रतियोगिता, महिलाओं से संबंधित एक्ट/अधिनियम एवं नवीन कानूनों पर चर्चा, महिला सुरक्षा जागरूकता रैली, बुजुर्ग महिलाओं (दादी-नानी) सम्मान, पंचायत एवं वार्ड स्तर पर सेफ्टी वॉक, सकारात्मक पुरुष भागीदारी पर चर्चा तथा सायबर सिक्योरिटी, सोशल मीडिया सिक्योरिटी पर विद्यालय/महाविद्यालय में प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, सीएमओ डॉ दिनेश खत्री, एसडीएम श्री मुकेश सिंह, सिविल सर्जन डॉ अनिल ओढ, सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री संजय गहरवाल सहित जनपद सीईओ उपस्थित रहे। अनुभागों से वीसी के माध्यम से एसडीएम, जनपद सीईओ, बीएमओ, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी बैठक में सम्मिलित हुए।

गांधी व शास्त्री जयंती पर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

स्थानीय नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने उपस्थित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर के एस राजपूत अरुण दीक्षित लखन रघुवंशी ललित यादव डॉक्टर मयंक तोमर डॉक्टर सुरेंद्रजीत सिंह संजीव शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में अशोक देबोलिया रामेश्वर पटेल के के शर्मा ओ पी तिवारी रमेश गोप्लानी यदुवंशी जी जय बाला निगम प्रदीप द्विवेदी विनोद दुबे हेमंत तिवारी अभिषेक चौहान के साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए. महात्मा गांधी अमर रहे लाल बहादुर शास्त्री जी अमर रहे के साथ संस्था का मिशन गीत इंसान का इंसान से हो भाईचारा यही पैगाम हमारा गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया.

दीपावली पर्व पर आतिशबाजी विक्रय हेतु अस्थाई लायसेंस के लिए 07 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

रायसेन। जिले में आगामी 31 अक्टूबर को दीपावली त्यौहार मनाया जाएगा। दीपावली त्यौहार के अवसर पर आतिशबाजी के विक्रय के लिए अस्थाई आतिशबाजी लायसेंस जारी किए जाने के संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने और उनके निराकरण के लिए समयावधि निर्धारित की गई है। साथ ही सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा सीएमओ सहित अन्य अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मप्र शासन के गृह विभाग द्वारा एमपी ई-सर्विस पोर्टल के माध्यम से गृह विभाग की सेवाओं एवं त्यौहारों के दौरान आतिशबाजी, पटाखे के कब्जे एवं विक्रय के लिए अस्थायी लायसेंस से संबंधित सेवा को पूर्णतः ऑनलाईन प्रदाय किए जाने हेतु प्रारंभ किया गया है।

जिले में दीपावली पर्व के दौरान आतिशबाजी के विक्रय के लिए अस्थाई आतिशबाजी लायसेंस हेतु ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। पुलिस द्वारा ऑनलाईन प्रतिवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर तथा ऑनलाईन लायसेंस जारी किए जाने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर निर्धारित की गई है। लायसेंस वैधता अवधि एवं अंतिम तिथि 12 नवम्बर 2024 निर्धारित है। इ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ: आंगनबाड़ी स्तर पर हुआ आयोजन

नर्मदापुरम. संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी व संयुक्त संचालक महिला बाल विकास के मार्गदर्शन व निर्देशन में 2 अक्टूबर को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन वार्ड क्रमांक 27 से 33 में आंगनबाड़ी स्तर पर किया। इसमें एक पेड़ बेटी के नाम बालिका जन्मोत्सव वह सेल्फी विद डॉटर गतिविधियों का आयोजन किया। आंगनबाड़ी पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों को बालिका जन्मोत्सव एवं जन्म दिवस को उत्साह पूर्वक बनाने का बेटों व बेटियों में भेद न करने, बेटियों के प्रति सामान भाव रखने, उन्हें भी सभी क्षेत्रो में समान अवसर प्रदाय करें की समझाइश दी गई। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक आशा भदौरिया और कार्यकर्ता सीमा गोहले, सुशीला यादव, रेखा चौधरी, कामिनी मिश्रा, वर्षा चौरे, शारदा दीपांकर ब्रजवाला आचार्य, सरिता दुबे आदि ने भागीदारी की।

मेट्रो एंकर

घटना की जानकारी लगते ही डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर भी पहुंचे

वनरक्षक की मौत से गुस्साए कर्मचारियों ने रेंजर पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

वन परिक्षेत्र सिवनी मालवा के वन विभाग में पदस्थ वन रक्षक मंगल पांडे की अचानक तबियत खराब होने पर सिवनी मालवा के एक निजी अस्पताल में उनका उपचार कराया गया उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया ओर बीती रात उनका आकस्मिक निधन हो गया।

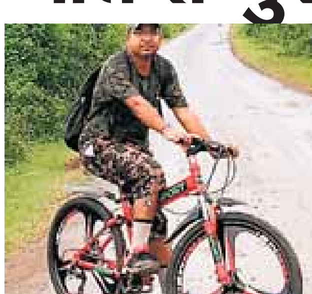

उनके निधन की खबर लगते ही रात में ही वन विभाग के पूरे कर्मचारी एकत्रित होने लगे, वन विभाग के कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि रेंजर लगातार कर्मचारियों को प्रताड़ित करती हैं। और पिछले दो माह से मंगल पांडे पर भी सरकारी मकान खाली करने का दबाव बना रही थी। जबकि मंगल पांडे का ना तो कोई ट्रांसफर हुआ है और ना ही वह किसी लंबी छुट्टी पर थे रोज अपनी ड्यूटी करने जंगल जाते थे। कई सालों से सिवनी मालवा क्षेत्र में वन विभाग में नौकरी कर रहे मंगल पांडे उत्तर प्रदेश के बलिया के रहने वाले थे जो अपने दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहकर वन विभाग की सेवाएं दे रहे थे। उनके निधन की खबर लगते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने वन विभाग के कार्यालय में वन कर्मी और अधिकारियों की भीड़ लग गई और वन विभाग के कर्मचारी रेंजर पर आरोप लगा रहे है थे कि रेंजर की प्रताड़ना के कारण ही यह घटना घटित हुई।जानकारी लगते ही मौके पर थाना प्रभारी उषा मरावी पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। जब तक सिवनी मालवा रेंजर बंदना महतो की भी तबीयत बिगड़ गई और अचानक बेसुध होकर जमीन पर गिर गई थाना प्रभारी ने उन्हें कुर्सी पर बिठाया और पानी पिलाया। घटना की जानकारी लगते ही डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर भी पहुंच गए और पीड़ित परिवार से मिले जहां पर कर्मचारियों ने भी रेंजर की प्रताड़ना की घटना से उनको अवगत कराया। उतर प्रदेश से परिजनों के आने के बाद शाम 5 बजे के आसपास शव का परीक्षण करवा कर उन्हें शाम को ही उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने श्री पांडे को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई।

वनकर्मियों ने सन् 2023 में भी रेंजर को हटाने की मांग की थी

सिवनी मालवा वन परीक्षेत्र के अधिकारी कर्मचारियों ने सिवनी मालवा रेंजर से परेशान होकर 4/6/2023 को उप वन मंडल अधिकारी, मुख्य वन संरक्षक वृत नर्मदा पुराम के नाम आवेदन देकर वन परीक्षेत्र अधिकारी वंदना मेहतो को हटाने की मांग की थी। सिवनी मालवा वन विभाग में पहली बार कर्मचारियों ने अपने अधिकारियों की हटाने की मांग अपने उच्च अधिकारियों से की थी।

इस दौरान वन कर्मचारियों ने वन कर्मचारी संघ ब्लॉक अध्यक्ष को भी आवेदन की प्रति सौंपी थी।आवेदन में क्षेत्र के डिप्टी रेंजर और वन कर्मचारियों ने बताया था कि जब से वन परिक्षेत्र अधिकारी वंदना मेहतो सिवनी मालवा में पदस्थ हुई है तब से वन्य प्राणी सुरक्षा, वानकीय कार्यों में सहयोग नहीं करना ओर लापरवाही बरती जाना अधिनस्य कर्मचारी को अवैध कटाई और अतिक्रमण संबंधी मामलो में उचित सहयोग और मार्गदर्शन नहीं देना और न ही मौके पर पहुंचना और वन परिक्षेत्र अधिकारी सिवनी मालवा का अनुबंधित वाहन का उपयोग वन सुरक्षा, वानिकी कार्यों, वन्य प्राणी घटना आदि पर न तो वाहन भेजती है और न आती है इसके अलावा भी कई अन्य बातों का उल्लेख किया था। वन कर्मचारियों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी सिवनी म मालवा की सभी मांगों का निराकरण नहीं होने पर धरना प्रदर्शन, सामूहिकाश अवकाश और अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी। लेकिन उच्च अधिकारियों के समझाईस पर कर्मचारियों ने बात मान ली लेकिन रेंजर की कार्य प्रणाली में कोई भी सुधार नहीं हुआ अब फिर से कर्मचारियों में भारी रोज दिखाई दे रहा है।

रेंजर ने मानवता भी कर दी शर्मसार

गुरुवार के दोपहर को जो रेंजर कभी इस घटना से बेहोश हो जाती हैं,जमीन पर गिर जाती हैं वही बाहर कर्मचारियों द्वारा अपने ही रेंजर के खिलाफ नारे लगते हैं यहां तक इस दौरान किसी ने उनसे बोलना तक पसंद नहीं किया इसी दौरान मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक झलक ओर दिखी श्री पांडे का जैसे ही शब परीक्षण करवाने के बाद अस्पताल से रेंज ऑफिस कार्यालय परिसर में रेंजर के घर के सामने लगभग आधे घंटे तक रखा रहा वहीं से उन्हें उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया इस दौरान वन विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई वहीं उनके परिजनों को भी वहीं से रवाना किया गया लेकिन घर के सामने रखे हुए शव को श्रद्धांजलि देने तक रेंजर अपने बंगले से बाहर नहीं आई।

सीसीएफ ने किया जांच दल का गठन आज होंगे बयान

इस पूरे घटनाक्रम पर वन विभाग के डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर और वन विभाग के एसडीओ अनिल विश्वकर्मा घटनास्थल पर पहुंच गए थे जिन्होंने कर्मचारियों को समझाइश देते हुए इस पूरे मामले में एक जांच दल गठित करने का भी आश्वासन दिया। यह जांच दल आज दो एसडीओ और एक रेंजर की टीम द्वारा सिवनी मालवा आएंगे और इस पूरे मामले में वनकर्मियों से अपने-अपने बयान लेंगे वही डीएफओ ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी।

इनका कहना है

मृतक मंगल पांडे पिता बद्री नारायण पांडे उम्र 36 वर्ष हाल मुकाम वार्ड नंबर 9 सिवनी मालवा रेंज ऑफिस के पास जो की ग्राम पोस्ट टिका देवरी थाना छीतबड़ गांव तहसील रसड़ा जिला बलिया उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं जिनकी मृत्यु का सही कारण जानने के लिए मृतक का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टरों की टीम द्वारा किया गया वहीं परिजनों के निवेदन पर वीडियो ग्रफिंग भी करवाई गई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है फिलहाल पुलिस ने मार्ग क्रमांक 94/24 धारा 194 बीएनएसएस (भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता) के तहत प्रकरण पंजीबद कर अपनी जांच में लिया है।

***श्रीमती उषा मरावी** थाना प्रभारी सिवनी मालवा*

खबर के बाद धरातल पर स्वास्थ्य विभाग

नगर पालिका डेंगू से मुक्ति के लिए धरातल पहुंचे

डेंगू मार रहा है डंक, जिम्मेदार बेपरवाह, गंदा पानी निकलने का नहीं है इंतजाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर में तेजी से डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं। नगर में जगह-जगह गंदा पानी जमा हो रहा है उसके वजह से कई लोग डेंगू के लोग शिकार हो चुके हैं इसके बाद भी नगर पालिका और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जमीन स्तर पर काम नहीं किया रहा था।

हमारे संवाददाता ने खबर को दिनांक 30.09.2024 प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके बाद एसडीएम ने नगर पालिका और स्वास्थ्य विभाग को वार्डों में पहुंचकर डेंगू से नगर वासियों को छुटकारा दिलाने के लिए काम करने के लिए निर्देशित किया तो गुरुवार को नगर पालिका और स्वास्थ्य विभाग के अमले ने संयुक्त रूप से अपने काम को प्रारंभ किया है यह काम पहले किया होता तो आज डेंगू के मामले इतने सामने नहीं आते जब दो मामले सामने आए थे तभी इस पर काम हो जाता।

अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी के निर्देशों के बाद बीएमओ विकास सिंह ने टीम बनाकर काम प्रारंभ करवाया है जिसमें स्वास्थ विभाग, महिला बाल विकास, नगरपालिका के कर्मचारियों के द्वारा संयुक्त रूप से शहरी क्षेत्र में लार्वा का सर्वे किया गया व लोगो को पैंपलेट वितरण कर डेंगू मलेरिया चिकिनगुनिया बीमारी की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया शहरी क्षेत्र के 1720 घरों का सर्वे किया गया जिस में से 11 घरों में लार्वा मिला जिस को टीम द्वारा नष्ट करा कर घर के मुखिया को समझाइश देकर हिदायत दी गई की अगर आगे से घर में लार्वा मिलता है तो नगर पालिका द्वारा स्पॉट फाइन लगाई जाएगी ।

टीम द्वारा वार्डो के लोगो को को सलाह दी गई की वे पूरी आस्तीन के कपड़े पहने रात को मच्छर दानी का उपयोग करे नीम की पत्ती का धुआं करे काफी दिनों से जमे पानी में जले हुए ऑयल डाल दे, घर के आस पास पानी इकट्ठा न होने दें। टीमों द्वारा सभी वार्ड में दवा का छिड़काव किया गया। तीन दिन पहले ही प्रदेश टुडे ने डेंगू के मामलों को लेकर खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी इसके बाद एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदारों को धरातल पर काम करने के लिए निर्देशित किया था।

सामूहिक बैठकों साथ दिए ज्ञापन, हुए आन्दोलन, अनशन पर नहीं सुनी गई सिरोंज लटेरी की जनता की पुकार

क्या सिरोंज जिला बनेगा?

चुनाव के समय वादा करते है सांसद, विधायक पर निभाते नही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज को जिला बनाने की मांग कई बार उठ चुकी है। टोंक रियासत के समय भी सिरोंज को परगना (जिले) का दर्जा प्राप्त था पर इसके बाद अंग्रेजों से समझौता के तहत रियासत टोंक में सिरोंज 1949 तक जिला रहा। रियासत टोंक को आजादी के बाद राजस्थान राज्य में विलीन होने पर सिरोंज को जिले का दर्जा समाप्त कर राजस्थान के जिला कोटा में अनुविभाग बना दिया गया। इसके बाद शहर में हमेशा आईएएस अधिकारी नियुक्त होते रहते है। 1 नबंम्बर 1996 मध्यप्रदेश राज्य के गठन में राजस्थान के कोटा जिले से प्रथक कर मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में शामिल कर इसकों अनुविभाग बना लिया गया। जिसमें सिरोंज एवं लटेरी दो तहसीले शामिल रही। मध्य प्रदेश गठन के बाद ही उसे दर्जे को छीन लिया गया था।

कपिल त्यागी ने दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि 1983 में मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुनसिंह ने जिला सीमा पुर्नगठन आयोग बनाया। और आयोग द्वारा नवीन जिला बनाने सुझाव मांगे गए। तब नगरवासियों ने 20 दिसंबर 1983 को बैठक कर सिरोंज जिला बनाओ समिति गठित कर सिरोंज कों जिला बनाने, जिला पुर्नगठन आयोग को मांग पत्र सौंपा, भाजपा सरकार के तत्कालिन मुख्यमंत्री सुंदर लाल पटवा ने जिला पुर्नगठन आयोग की रिर्पोट पर 16 नवीन जिले बनाने का निर्णय लिया उस निर्णय को तकनीकी आधार पर हाईकोट में जनहित याचिका दायर की गई। इस पर हाईकोट ने स्टे लगा दी। हाईकोट का स्टे हटने पर 3 सितंबर 1992 को राजस्व विभाग भोपाल गजट नोटिफिकेशन के अनुसार मध्यप्रदेश के 16 नबीन जिले गठन करने की कार्रवाई प्रारंभ हुई। इन 16 जिलों में सिरोंज का नाम शामिल ना होने से सिरोंज वासियों ने सामूहिक रुप से सर्वदलीय सभा कर 22 सितंबर 1992 को अध्यक्ष जिला पुर्नगठन आयोग को ज्ञापन सौंपकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सिरोंज को जिला बनाने की मांग की थी। हर बार मांग तो उठाती है उसको आज तक सफलता नहीं मिली है। विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के दौरान जिला बनाने का मुद्दा तो होता है उम्मीदवार जनता से वादा भी करते हैं चुनाव के बाद ही है शांत हो जाता है।

टोंक रियासत में जिला था सिरोंज

आजादी के पूर्व प्राचीनकाल में व्यापारिक नगर सिरोंज मलमल के वस्त्र बनाने में पूरे देश भर में प्रसिद्ध था। शहर में सिक्के ढलने की टकसाल रही है। इसके बाद यह चंदेरी रियासत में शामिल रहा है। शहर महाराज छत्रपाल के अलावा अन्य शासन काल में हॉलकर राज्य का जिला रहा है। होलकर राज्य की रानी अहिल्या देवी द्वारा निर्मित नीलकंठ मंदिर आज भी यहां प्रसिद्ध है।

जिला बनाने के लिए आधरभूत संरचना सिरोंज में उपलब्ध है जिले के कुल 17 थानों में से आठ थाने सिरोंज लटेरी विधानसभा में है इसके अलाबा 100 बिस्तर का अस्पताल, दो अपर जिला एवं सत्र न्यायालय तथा एडिशनल कलेक्टर का लिंक कोर्ट है। शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय तथा निजी महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, संचालित है। इनके अलावा ए ग्रेड की संभावना वाली कृषि उपज मंडी के साथ सभी प्रमुख बैंकों की शाखाएं सिरोंज में उपलब्ध है। वर्तमान में सिरोंज लटेरी विधानसभा के दूरस्थ गाँव

अमाई बाजना तथा उनारसीकलां की दूरी भी विदिशा जिला मुख्यालय से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर होने का हवाला दिया गया है।

आसपास की तहसीलों को मिलकर बनाएं जिला संभावना पर्याप्त

जिला बनाने के समीकरण होने के बाद भी आखिर जिले का दर्जा क्यों नहीं मिल पा रहा है इसके लिए आम जनता से लेकर सभी व्यापारी संगठन और जनप्रतिंतियों को आगे आकर इस आवाज को बुलंद करना होगा राजनीतिक मतभेद बुलाकर सिरोंज के हित में और क्षेत्र की जनता जनार्दन को उसका हक दिलवाने के लिए सभी को मिलकर पूरी ताकत से अपनी आवाज को रखन होगा तभी प्रदेश सरकार से जिले की मांग को पूर्ण कर पाएगी सबसे बड़ी भूमिका क्षेत्र के विधायक को निभानी होगी तथा संसद को भी आगे आना होगा जिन्होंने चुनाव के दौरान जनता को जिला बनाने का सपना दिखाया था पर वहां अभी अपनी बात पूरी ताकत से प्रदेश सरकार के सामने रखते हुए नजर नहीं आ रहा है। चुनाव में जरूर बात करते हैं हर बार ऐसा ही होता है फिर जनप्रतिनिधि बनने के बाद विधायक, सांसद अपने वादे से मुकर जाते हैं भूल जाते हैं।

जिले की दूरी अधिक होने के कारण होती है परेशानी

लोगों अभी जिला मुख्यालय तक अपनी मांगो को लेकर पहुंच ही नही पाते हैं वहां न्याय से वंचित रह जाते है।, लटेरी, कुरवाई, पठारी तथा आनन्दपुर पथरिया की जनता के हितो को ध्यान में रखते हुये मुख्यालय से अत्याधिक दूरी होने के कारण तथा मध्य प्रदेश शासन की मंशानुरूप आम् आदमी की पहुंच जिला मुख्यालय तक हो सके। सिरोंज को राजस्थान राज्य में जिले का दर्जा प्राप्त था लेकिन मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के समय सिरोंज को मध्यप्रदेश में शामिल करके विदिशा जिले का एकमात्र सब डिबीजन बनाया गया। तब से लेकर वर्तमान समय के चौसठ वर्षो के अंतराल में सिरोंज शहर के साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों की आबादी अनेक गुना बढ़ चुकी है। इस कारण से भी शासन की विकासकारी योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक से नही हो पा रहा है।

सिरोंज जिला बनाओ संघर्ष समिति का गठन

अभी कुछ समय पूर्व सिरोंज जिला बनाओ संघर्ष समिति का गठन हुआ था तब ऐसा लग रहा था कि सिरोंज जिला बन ही जायेगा। सिरोंज जिला बनाओ संघर्ष समिति के महामंत्री एंव भाजपा के नेता एडवोकेट कपिल त्यागी को बनाया था। जिसमें पहली बार सत्ता पक्ष के कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे का किया गया उन्होंने उन्होंने कहा कि सिरोंज जिला बनेगा कोई माई का लाल सिरोंज को जिला बनने से नहीं रोक सकता। और ना ही हमें आंदोलन की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि मध्य प्रदेश के मुखिया बहुत ही सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी हैं। और यदि आप लोग चलना चाहे तो 11 लोगों का प्रतिनिधिमंडल मेरे साथ मुख्यमंत्री जी से मिलने के लिए चल सकता है। जहां हम अपनी बात प्रदेश के मुखिया के समक्ष रखेंगे। इसके बाद यदि आपको लगता है तो आप आगे के रास्ते अपनाएं अन्यथा मुझे पक्का विश्वास है कि मुख्यमंत्री जी हमारी बात को नहीं टालेंगे। जिला बनाने को लेकर सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें सिरोंज क्षेत्र के अलावा लटेरी, आनंदपुर, मुगलसराय, कालादेव, कुरवाई, पठारी, मेहलुआ चौराहा, बमोरीसाला सहित विभिन्न क्षेत्र से जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन प्रमुख, राजनीतिक व बड़ी संख्या में इन क्षेत्रों से आए लोग शामिल हुए। पर इसका नतीजा कुछ भी समाने नहीं आया। आज तक जिसकी भी सरकार बनी चाहे वोह कांग्रेस पार्टी हो या भाजपा पार्टी चुनाव के समय तो बहुत से वादे करते है। परन्तु सरकार बनने के बाद सब भूल जाते है। सिरोंज की जनता की परेशानियों को कोई नहीं देखता है, अब देखना है की माननीय मोहन यादव जी की सरकार में सिरोंज जिला बन पाता है या नहीं? इसके पहले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट पर भी सभी की नजरें होंगी।

शैक्षणिक सुधार हेतु समर्पण व त्याग भावना से कार्यो को मूर्तरूप दें: कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरूवार को शैक्षणिक कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्कूल भवन बन जाने से शैक्षणिक सुविधाएं पूरी की जा सकती है किन्तु शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए संबंधितों को समर्पण व त्याग भावना से सौपें गए दायित्वों का निर्वहन करना होगा। समय पर स्कूल खुले, गुरूजनो के द्वारा अध्यापन कार्य कराया जाए ताकि अध्ययनरत बच्चों के बौद्धिक विकास में किसी भी प्रकार के अवरोध ना हो पाए। उन्होंने बीईओ, बीआरसी, डीपीसी, सीएससी, बीएससी को उक्त बैठक में निर्देशित किया है कि कार्य क्षेत्रों के स्कूलों का सतत भ्रमण करें ताकि बच्चों व गुरूजनों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा केन्द्र के माध्यम से संचालित शैक्षणिक संस्थाओं, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों की बिन्दुवार समीक्षा की है। बैठक में विकासखण्डवार कक्षा एक से दस तक दर्ज

विद्यार्थियों की संख्या के संबंध में ऐसी शैक्षणिक संस्था जहां पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष एक भी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया है उन कारणो का पता लगाने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर बच्चों की जानकारियां संकलित कर यह पता लगाया जाएं कि बच्चे कहीं ड्राफ आउट तो नहीं हो गए है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले के शैक्षणिक स्कूलो में पहली व छटवीं व आठवीं में दाखिला नहीं लेने वाले बच्चों को टेऊस करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शैक्षणिक कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने डीपीसी को निर्देशित किया कि अधीनस्थो के कार्यो की सतत मानिटरिंग के लिए समीक्षात्मक बैठके अनिवार्य रूप से आयोजित कर शासन के दिशा निर्देशानुसार उपलब्धियां हासिल की जा रही है कि नहीं का मुआयना करें। बैठक में कक्षा एवं विषयवार वर्तमान उपलब्धियों की जानकारियां प्रस्तुत करते हुए स्विफ्ट चेक सहभागिता, कक्षा तीन से लेकर छह तक के लिए चिन्हांकित किए गए माडयूल प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं तथा सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास तथा महावार अनुवीक्षण, सीएम हेल्पलाइन तथा मानिटरिंग के प्रबंधो के साथ-साथ प्रोफाइल अपडेशन के कार्यो की समीक्षा की गई है।

अग्रसेन जी का मनाया प्रकट उत्सव, निकली शोभायात्रा, मंदिर पर हुएं धार्मिक कार्यक्रम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को अग्रवाल समाज जनों के द्वारा बड़े उत्साह और भक्ति भाव के साथ अग्रसेन जी का जन्म उत्सव मनाया गया सुबह से लेकर देर रात तक धार्मिक कार्यक्रम हुए वहीं श्री गिरधारी जी मंदिर पर गेचना आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया।

श्री अग्रसेन जी का प्राकट्योत्सव अग्रवाल समाज जनों के द्वारा परंपरा अनुसार उत्साह उमंग से मनाया । सुबह अग्रवाल महिला महासभा द्वारा प्रभातफेरी का आयोजन किया गया तथा ब्रह्म बेला में संस्था द्वारा महाराजा का मंत्रों द्वारा अभिषेक अर्चन किया गया पश्चात महाराज जी का कथा चरित्र तथा पूजन महाआरती के बाद भोजन प्रसादी हुई इसके उपरांत मंदिर परिसर में विभिन्न सामाजिक विषय स्वास्थ्य शिक्षा तथा भारत के विकास में समाज के योगदान पर चर्चा हुई । देर शाम को अग्रसेन जी महाराजा का चल समारोह निकाला गया रथ पर श्री अग्रसेन कि भव्य झांकी विराजमान थी आगे कन्याए दिव्य कलश लेकर राजशी परिवेश में चल रही थी पीछे महिलाएं युवा वर्ग झूमते नाचते चल रहा था। बाजार अग्रसेन जी महाराज के जयकारों से गूंजा रहा था । मुख्य बाजार से होते हुए शोभा यात्रा श्री गिरधारी जी अग्रसेन मंदिर पहुंचा जहां नव कन्याओं का पूजन भी की चल समारोह का जगह-जगह समाज जनो समाज सेवी संगठनों ने स्वागत भी किया इस दौरान सुमंत मित्तल,।विकास गर्ग , मोहित सिंघल,अर्पित मित्तल, श्रीमती विंदू गर्ग, श्रीमती अमिता मंगल, श्रीमती वर्षा गोयल ,अमिता गर्ग, राकेश गोयल, दिनेश चंद्र गर्ग अतुल गोयल ,सुदामा गर्ग ,सुलभ गर्ग सहित समाज जनों ने सभी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मेट्रो एंकर

न्यायालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा अभियान

न्यायाधीशों ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता के आयामो को स्थापित किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता पखवाडा के तहत विदिशा जिले में न्यायाधीशगणों ने भी सहभागिता निभाकर स्वच्छता के आयामो को स्थापित किया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में अन्य सभी न्यायाधीशो ने जिला न्यायालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए स्वंय अपने हाथो में झाडू लेकर कोने-कोने से गंदगी को साफ कर सभी को अपना परिसर व शरीर को स्वच्छ रखने की प्रेरणा दी है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला एवं तहसील न्यायालय परिसरो में स्वच्छता पखवाडा के तहत विविध गतिविधियों का क्रियान्वयन कर परिसर को स्वच्छ बनाने के कार्यो में सहभागिता निभाई गई है वहीं अन्य के लिए प्रेरणा के प्रतीक स्वरूप प्रतिपादित हुए है। गौरतलब हो कि पूरे देश में स्वच्छता पखवाडा के तहत साफ सफाई के कार्यो को हर स्तर पर मूर्तरूप दिया गया है। गौरतलब हो कि स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिए स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया गया। प्रस्तावना के रूप में स्वच्छ भारत मिशन और शहरी पेयजल और स्वच्छता एवं आवास सहित अन्य मुद्रालयों के द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाडे का संचालन किया गया। जिसके तहत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता एक अभ्यास के रूप में पलवित हो। स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्धेश्य कचरे का संग्रह और निपटान, स्वच्छ शौचालय सुनिश्चित करना ताकि घरो व कार्यालय परिसरो में कोई ब्लैक स्पॉट ना रहें।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के नेतृत्व में न्यायालयीन क्षेत्रो के सार्वजनिक परिसर जहां बड़ी संख्या में नागरिकों को आना जाना होता है। उन क्षेत्रो पर साफ सफाई के आयामो को विशेष रूप से क्रियान्वित किया गया है ताकि परिसर की स्वच्छता के साथ-साथ मानव को स्वच्छता की सीख मिलें और स्वंय स्वच्छ रहें और दूसरो को अभिप्रेरित करें।

वहीं अपने घरो तथा कार्यालय परिसरों, सडको सहित अन्य स्थलो पर किसी भी प्रकार की गंदगी ना करें। नियत स्थलों पर ही कचरे को रखें ताकि समय पर उठाव व निपटान संबंधी कार्य करने वाले को भी परोक्ष रूप से मदद मिल सकें।स्वच्छता पखवाडा के अंतिम दिन दो अक्टूबर को भी जिला न्यायालय में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन, विशेष न्यायाधीश श्री जीसी शर्मा, प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार राठी, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री राजेश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती मोना शुक्ला, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती शिवांगी श्रीवास्तव, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री प्रथा श्रीवास्तव सहित अन्य न्यायाधीशगण तथा न्यायालयीन कर्मचारियों ने सम्पूर्ण स्वच्छता के आयामो की प्राप्ति के लिए साफ सफाई कार्यो में सहभागिता निभाई। परिसर को स्वच्छ रखने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो पर बल दिया। स्वच्छता पखवाडा के अंतिम दिन अर्थात दो अक्टूबर को महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धांजलि अर्पित कर पखवाडा का समापन हुआ।

कलेक्टर की पहल पर त्वरित मिला जन्म प्रमाण पत्र

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के समक्ष उपस्थित होकर आवेदक गोविन्द कुशवाह ने अपने पुत्र राम कुशवाह के जन्म प्रमाण पत्र की प्राप्ति ना होने की समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने आवेदक से संवाद करने के उपरांत संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। निर्देशो के अनुपालन में आवेदक श्री गोविन्द कुशवाह को अपने पुत्र राम कुशवाह का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ हैं, गौरतलब हो कि बासौदा तहसील के ग्राम किर्रोंदाकलां के निवासी गोविन्द कुशवाह के पुत्र राम कुशवाह का जन्म राजीव गांधी अस्पताल गंजबासौदा में 18 जनवरी को हुआ था किन्तु अब तक जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त ना होने के कारण स्वंय बैचेन थे और समस्या के निदान हेतु इधर उधर भटक रहे थे। कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होने पर महीनो की समस्या मिनटो में हल हुई है।

बच्चों को मोबाइल नहीं रखने देते जोकोविच इस मसले पर पत्नी जेलेना से होती है बहस

नईदिल्ली, एजेंसी

24 बार के ग्रैंड स्लेम चैंपियन और दुनिया के नंबर चार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बच्चों की परवरिश को लेकर बेहद सख्त हैं। वह इस बात के बेहद खिलाफ हैं कि कम उम्र के बच्चों के पास मोबाइल होना चाहिए। इस वजह से उनकी अकसर अपनी पत्नी जेलेना के साथ बहस भी हो जाती है, लेकिन इसके बावजूद सर्बियाई खिलाड़ी अपने बच्चों के मोबाइल नहीं रखने देते। 37 वर्षीय जोकोविच के दो बच्चे हैं, जिसमें 10 वर्षीय बेटा स्टीफन और सात वर्षीय बेटी तारा है और इन दोनों के पास अभी तक मोबाइल नहीं है।

मानसिक तौर पर मजबूत होना जरूरी

सर्बियाई टेनिस स्टार ने कहा, बच्चों को फोन से दूर रखना और उन्हें समझाना आसान नहीं है लेकिन मैं चाहता हूं कि वह मानसिक तौर पर मजबूत बनें। दुनिया में हर कोई कुछ ना कुछ करता है और हम उसका अनुसरण करना शुरू कर देते हैं। दुनिया में अकसर ऐसा ही होता है लेकिन मैं इस सोच से अलग हूं। यही बच्चों को सिखाता हूं।

हमें दूसरों से अलग होना चाहिए

जोकोविच ने एक इंटरव्यू में बताया, मेरे बच्चों के पास मोबाइल फोन नहीं है। बच्चे शिकायत करते हैं कि उनके अलावा स्कूल में सभी के पास फोन हैं। लेकिन मैं अभी तक अपने फैसले पर अटल हूं क्योंकि मैं उन्हें यह सिखाना चाहता हूं कि उन बातों को नहीं मानना या अपनाना चाहिए, जिसके पीछे दुनिया चल रही है। हमें दूसरों से अलग होना चाहिए।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का नया शेड्यूल घोषित

6 अक्टूबर को पाकिस्तान-इंडिया मैच; 18 दिन में होंगे 23 मुकाबले

नईदिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का नया शेड्यूल घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से ही शुरू होकर 20 अक्टूबर तक चलेगा। भारत-पाकिस्तान मैच 6 अक्टूबर को दुबई में होगा। इसी स्टेडियम में फाइनल भी खेला जाएगा। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप पहले बांग्लादेश में खेला जाना था, लेकिन देश में हुए राजनीतिक तख्तापलट के बाद आईसीसी ने टूर्नामेंट को यूएई शिफ्ट कर दिया। अब शारजाह और दुबई में टूर्नामेंट के सभी मैच होंगे।

भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से

इंडिया विमेंस टीम आज 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में अपना पहला मैच खेलेगी। टीम फिर इसी मैदान पर 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पाकिस्तान अपना पहला मैच श्रीलंका से खेल चुका है। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से होगा। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से होगा।

ऑस्ट्रेलिया 6 बार की चैंपियन

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2009 में शुरू हुआ, तब इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। तब से अब तक 8 बार टूर्नामेंट खेला गया, ऑस्ट्रेलिया को 6 और वेस्टइंडीज को एक बार सफलता मिली। भारत ने एक बार भी टूर्नामेंट नहीं जीता। टीम 2020 में एकमात्र बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हारकर खिताब जीतने से चूक गई थी।

10 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया

टूर्नामेंट में 10 टीमों को 5-5 के 2 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वालीं 2-2 टीमों के बीच 17 और 18 अक्टूबर को 2 सेमीफाइनल होंगे। जबकि 20 अक्टूबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा। शारजाह और दुबई में 18 दिन के अंदर के 23 मैच खेले जाएंगे। 13 दिन में ग्रुप स्टेज के 20 मैच होंगे, जिनमें से 7 दिन डबल हेडर भी रहेंगे। डबल हेडर यानी एक दिन में 2 मैच। आखिरी 5 दिन में 3 नॉकआउट मैच खेले जाएंगे। 17 अक्टूबर को पहला सेमीफाइनल दुबई और 18 अक्टूबर को दूसरा सेमीफाइनल शारजाह में होगा। 20 अक्टूबर में दुबई में ही फाइनल होना है।

ग्रुप-ए में है भारत

इंडिया विमेंस टीम को पाकिस्तान के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका भी हैं। टीम इंडिया 9 अक्टूबर को श्रीलंका से दुबई और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से शारजाह में भिड़ेगी। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच 15 अक्टूबर को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच होगा। दोनों टीमें ग्रुप-बी में हैं। इस ग्रुप में बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और साउथ अफ्रीका भी है। साउथ अफ्रीका पिछली रनर-अप है, टीम को अपने ही होमग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था।

प्रो कबड्डी लीग का 11वां सीजन 18 अक्टूबर से

तीन शहरों में खेली जाएगी लीग पटना पाइरेट्स सबसे सफल टीम

नईदिल्ली. एजेंसी

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने घोषणा की कि पीकेएल के 11वें सीजन की शुरुआत 18 अक्टूबर, 2024 से होगी। 11वां सीजन तीन शहरों में खेला जाएगा। सीजन का पहला लेग 18 अक्टूबर को हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में शुरू होगा, इसके बाद 10 नवंबर से दूसरा लेग नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। तीसरा लेग 3 दिसंबर से पुणे के बालेवाड़ी बैडमिंटन स्टेडियम में होगा। पूरा शेड्यूल कुछ दिनों बाद घोषित किया जाएगा। वहीं प्लेऑफ की तारीखें और वेन्यू की घोषणा बाद में की जाएगी। लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें पीकेएल के 11वें सीजन की शुरुआत की तारीख और वेन्यू की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। पिछले महीने पीकेएल की नीलामी हुई थी, जिसमें रिकॉर्ड आठ खिलाड़ियों पर एक करोड़ रुपए से अधिक की बोली लगी थी। पटना ने सबसे ज्यादा 3 खिताब जीते प्रो-कबड्डी लीग की शुरुआत जुलाई 2014 में हुई। जयपुर पिंक पेंथर्स टीम ने नवनीत गौतम की कप्तानी में पहले सीजन का खिताब जीता। दूसरे सीजन में अनूप कुमार की कप्तानी वाली यू मुंबा चैंपियन बनी। तीसरे सीजन में पटना पाइरेट्स ने खिताब उठाया और टीम ने लगातार 3 फाइनल जीतकर खिताबी हैट्रिक बनाई। इनके अलावा बंगाल वॉरियर्स, बेंगलुरु बुल्स, दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वहीं जयपुर पिंक पेंथर्स 2 बार चैंपियन बनी है। पुणेरी पल्टन मौजूदा चैंपियन पुणेरी पल्टन लीग की मौजूदा चैंपियन है। टीम ने पिछले सीजन में अपना पहला खिताब जीता था। टीम ने इतिहास रचते हुए फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स को 28-25 के अंतर से हराया। मुकाबला हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेला गया।

पुणेरी पल्टन लीग की मौजूदा चैंपियन है।

एआइटीए के नए पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने नए पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन किया गया। एआईटीए को अपनी वार्षिक आम बैठक में चुनाव करवाना था, लेकिन मतदान की जरूरत नहीं हुई क्योंकि निर्वाचन अधिकारी को प्रत्येक पद के लिए केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ था। हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

मेट्रो बाजार

भारत अगले 10-15 साल में डिफेंस उपकरणों का नेट एक्सपोर्टर बनेगा

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के रहने वाले मनोज जैन अगस्त 1991 में परिवीक्षाधीन इंजीनियर के रूप में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में शामिल हुए और आज कंपनी के सीएमडी हैं। जयपुर के एमएनआइटी से इंजीनियरिंग करने वाले मनोज का बीईएल में करियर तीन दशकों से अधिक का है, जो अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में उनकी समर्पण और विशेषज्ञता को दर्शाता है। बीईएल ने एचएएल के साथ मिलकर भारत में एक अच्छी फाउंड्री स्थापित करने का प्रयास किया था। लेकिन इसमें कुछ तकनीकी और वित्तीय कठिनाइयां थीं, जिसके कारण हमें इस बड़े उत्पाद को छोड़ना पड़ा। वर्तमान की नैनोमीटर प्रौद्योगिकी में बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। एक फैब्रिकेशन संयंत्र स्थापित करने में हजारो करोड़ रुपए लगते हैं। इसके अलावा, संचालन लागत भी काफी अधिक है। इसलिए, हमने सोचा कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब को सेमीकंडक्टर फैब से बदल दिया जाना चाहिए, जिसके लिए हम कुछ कंपनियों से बात कर रहे हैं। भारत को टॉप डिफेंस एक्सपोर्टर बनना ही है। यह अलग बात है कि इसमें कितने साल लगेंगे। हो सकता है 5 साल लगे, हो सकता है 10 साल लगे। मैक्सिमम 15 साल में हम नेट एक्सपोर्टर हो ही जाएंगे। फिर नेट एक्सपोर्टर से हमें वर्ल्ड का लीडर बनना है। हमारे पास वो क्षमता, वो विजन है कि अगले 15 साल में हम लॉकडिह मार्टिन जैसी दुनिया की टॉप कंपिनयों की पंक्ति में आ सकते हैं। एक्सपोर्ट की दिशा में सरकार हमें समर्थन दे रही है।

एयरटेल ने लॉन्च किया स्पैम कॉल और एसएमएस से निपटने के लिए एआई-ड्रिवेन सॉल्यूशन

नईदिल्ली, एजेंसी

भारती एयरटेल ने स्पैम की बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत का पहला एआई-ड्रिवेन, नेटवर्क-बेस्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन पेश किया है. इसे एयरटेल के सभी यूजर्स के लिए ऑटोमैटेकली एक्टिवेट कर दिया जाएगा. यह सॉल्यूशन बिना किसी ऐप को डाउनलोड किए या सर्विस रिक्वेस्ट के रियल टाइम में स्पैम कॉल और एसएमएस के बारे में ग्राहकों को अलर्ट कर टेलीकॉम इनोवेशन का एक नया मानक स्थापित करता है. स्पैम कॉल और मैसेज भारत में एक पुरानी समस्या रही है, जिससे रोजाना लाखों मोबाइल यूजर प्रभावित होते हैं. इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, स्पैम कॉल और एसएमएस से प्रभावित होने के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है।

टाटा के एक लाख करोड़ के मेगा सेमीकंडक्टर प्लांट से जुड़ी

इंदौर, एजेंसी

टाटा ग्रुप के धोलेरा में बन रहे सेमीकंडक्टर प्लांट को अब ताइवान की दिग्गज कंपनी पीएसएमसी का सपोर्ट हासिल हो गया है. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के इस प्लांट को PSMC डिजाइन और कंस्ट्रक्शन सपोर्ट उपलब्ध कराएगी. दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को लेकर चर्चा की. पीएम मोदी ने इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि टाटा संस और पीएसएमसी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के दौरान भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट के बारे में वार्ता हुई. पीएसएमसी भारत को लेकर उत्साहित है और यहां अपना कारोबार बढ़ाना चाहती है. टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कहा कि पीएसएमसी की टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञता से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को सेमीकंडक्टर बनाने में बहुत आसानी हो जाएगी. गुजरात का धोलेरा प्लांट भारत का पहला एआई सपोर्ट से चलने वाला होगा.

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पिता से बगावत कर एक्टिंग करने निकली थी मौनी रॉय

पश्चिम बंगाल के कूच बिहार की रहने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज एक सफल एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं। वो टीवी से लेकर फिल्मों तक का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और आज वो बड़े पर्दे पर धमाल मचाती हैं। एक्ट्रेस ने जहां अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'नागिन' से की थी, वहीं उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म 'गोल्ड' से फिल्मों में एंट्री की। एक्ट्रेस को मुख्य तौर पर एकता कपूर के टीवी शो नागिन के लिए जाना जाता है। इससे वो घर-घर में पॉपुलर हो गईं। लेकिन, उनके बारे में ये बात बहुत कम लोग जानते होंगे कि मौनी ने अपने पिता के खिलाफ जाकर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। जी हां, आपने सही सुना। मौनी रॉय के पिता का सपना था कि उनकी बेटी आईएएस अफसर बने, लेकिन अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने पिता का सपना तोड़ दिया और एक्टिंग की दुनिया में आ गईं। दरअसल, एक्ट्रेस के बारे में ये सारी बातें हम उनके जन्मदिन के मौके पर बता रहे हैं। एक्ट्रेस 38 साल की हो गई हैं। उनका जन्म 28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल में हुआ था।

मौनी रॉय पहले पत्रकार बनना चाहती थीं

मौनी रॉय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता का सपना था कि वह आईएएस अधिकारी बनें। लेकिन एक्ट्रेस बचपन से ही हीरोइन बनना चाहती थीं, लेकिन जब वह दिल्ली आईं तो उन्होंने पत्रकार बनने की कोशिश शुरू कर दी। इसके लिए उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया में मास कम्युनिकेशन में एडमिशन भी लिया। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और अपने सपनों को पंख देने के लिए मुंबई का रुख किया. मुंबई आने के बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की पहली सीढ़ी चढ़ी. उन्होंने बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करना शुरू किया। इसके बाद मौनी को एकता कपूर का टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी मिला। इसमें उन्होंने तुलसी का किरदार निभाया. हालांकि, इससे उन्हें ज्यादा लोकप्रियता नहीं मिली. इंडस्ट्री में लोग उनके काम को पहचानने लगे। फिर, मौनी रॉय को एकता कपूर का दूसरा टीवी सीरियल नागिन मिला। इसने उनकी किस्मत बदल दी। इस शो से एक्ट्रेस घर-घर में मशहूर हो गईं. इसमें लोगों ने उन्हें नागि के किरदार में काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और महादेव, कस्तूरी, दो सहेलियां और जुनून-ऐसी नफरत तो इश्क कैसा में काम किया।

एक्ट्रेस अनन्या पांडे बोली- आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत

अनन्या पांडे हिंदी फिल्मों के दुनिया की एक जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से एक हैं, जिन्हें काफी चर्चा मिलती हैं। वह बीते कुछ समय से लगातार अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू ओटीटी सीरीज कॉल मी बे को लेकर वह काफी चर्चा में रही थीं। अब वह नेटफ्लिक्स की अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर करने को लेकर बात की है। अपने पांच साल के फिल्मी करियर में अनन्या पांडे बॉलीवुड की सबसे चर्चित स्टार किड्स में से एक बन गई हैं। उन्होंने खो गए हम कहां, लाइगर, पति पत्नी और वो आदि कुछ फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हाल में ही उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू में आइटम नंबर करने को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के कई और तरीके हैं। उन्होंने कहा कि डांस नंबर के इरादे के आधार पर अपना फैसला लेंगी। उन्होंने आगे कहा उन आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है और ऐसे कई तरीके हैं जिनके माध्यम से इसे एक अलग और महत्वपूर्ण रूप में दिखाया जा सकता है। 'कॉल मी बे' स्टार ने कहा कि अगर उनका किरदार एक सशक्त लड़की का है, उसे बहुत ज्यादा अश्लील नहीं बनाया जा रहा है, तो वह आइटम नंबर कर सकती हैं। अगर उनके किरदार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, तो वह इसे करने से मना कर देंगी।

सलमान की एक्स को सोनू निगम ने दिया धोखा! सोमी अली बोलीं- नहीं पता था वे फायदा उठाएंगे

एक्ट्रेस सोमी अली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सिंगर सोनू निगम पर धोखा देने का आरोप लगाया है। हालांकि, उन्होंने वीडियो में सीधे सोनू निगम का नाम नहीं लिया, लेकिन कैप्शन में उन्हें टैग करते हुए काफी कुछ लिखा। सोमी ने लिखा- मैं उनकी बहुत इज्जत करती थी, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वो मेरे साथ ऐसा करेंगे। बता दें, सोमी अली का नाम सलमान खान के साथ भी जोड़ा जा चुका है।

वीडियो के जरिए सोमी ने निकाली भड़ास: सोमी अली ने वीडियो में बताया, 'मैंने कुछ साल पहले एक टॉक शो शुरू किया था। जिसमें कुछ लोगों के इंटरव्यू लिए थे। इस शो में मैंने एक व्यक्ति से बात की थी, जो बहुत ही ज्ञान की बातें कर रहे थे। वो मेरे शो में उस वक्त आए थे, जब हमारे पास कोई बजट नहीं था। जिस कारण मैं उनका बहुत सम्मान करती थी।'

यकीन नहीं था वो मेरे साथ ऐसे करेंगे: सोमी अली ने आगे कहा, लंदन में कोई प्रोजेक्ट पाने के लिए जब मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने मुझे इग्नोर कर दिया। उस वक्त मुझे यकीन नहीं हुआ कि कोई ऐसा कैसे कर सकता है। मुझे उन पर भरोसा था, जिसे उन्होंने तोड़ दिया।' एक्ट्रेस ने वीडियो में ये भी दावा किया कि वो शख्स चैट शो में इसलिए आए थे, क्योंकि वह मुंबई में किसी से जुड़ी हुई थीं और उस व्यक्ति को दूसरे शख्स को ये साबित करना था कि, 'मैं आपकी एक्स-गर्लफ्रेंड के शो में गया था।' सोमी अली ने वीडियो के कैप्शन में सोनू निगम को टैग भी किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'लोग ऐसे ही होते हैं और इसी तरह से आपका फायदा उठाते हैं। सोनू निगम दूसरों के वीडियो बनाते हैं, जिन्होंने उनके साथ गलत बर्ताव किया है। मैं हैरान हूं। मेरे मन में उनके लिए काफी इज्जत थी। लेकिन वो कहते हैं ना, किसी भी किताब को उसके कवर पेज से जज नहीं किया जा सकता।

परिजन बोले- बेसुध होकर गिरी थी सड़क पर

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित अरवलिया गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसके शरीर पर मामूली चोट थी। करीब तीन दिन चले इलाज के बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई। सवाल इस बात का यह है कि डॉक्टर ने महिला की मौत एक्सीडेंट होने से बताई है। इसके विपरित परिजन का कहना है कि वह घर से कुछ दूरी पर सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई थी। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेजने की बात कही तो परिजन भड़क गए और रिश्तेदारों के साथ मिलकर पीएम कराने का विरोध करने लगे। घटना की जानकारी आलाधिकारियों को लगी तो उन्होंने भी परिजन से पीएम कराने का कहा, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। लिहाजा पुलिस ने अनुबंध कराने के बाद शव सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार किश्वर अंसारी पति नईम अंसारी (34) चंदेरी की रहने वाली थी। वह इन दिनों परिवार के साथ अरवलिया इलाके में रह रही थी। पति नईम अंशारी मजदूरी करते हैं। नईम ने पुलिस को बताया कि तीन दिन पहले किश्वर घर से कुछ दूरी पर सड़क पर गिर गई थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

रेलवे स्टेशन का निजीकरण रद्द करने की मांग, रेल मंत्री को ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा रेलयात्रियों के हित में भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का निजीकरण रद्द करने,वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में रियायत देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर राज्य व्यापी आन्दोलन के आव्हान के तहत मुख्य रेल स्टेशन पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद तत्संबंधी मांगों का ज्ञापन रेल मंत्री के लिए ज्ञापन भाकपा नेता कॉमरेड शैलेन्द्र शैली, शिवशंकर मौर्य ने रेल स्टेशन मास्टर गौतम बसु को दिया।

भाकपा ज्ञापन में रेल विभाग का बजट संसद में वर्ष 2024 से पूर्व की भांति पृथक से प्रस्तुत करने ,वरिष्ठ नागरिकों को पूर्व की भांति रेल किराए में रियायत प्रदान करने , प्रत्येक रेल में सामान्य और स्लीपर कोच पर्याप्त संख्या में लगाने ,पैसेंजर ट्रेनों में एक्सप्रेस ट्रेन का किराया लेना बन्द करने ,पैसेंजर ट्रेनों का किराया कम करने ,रेलों का नियमित संचालन सुनिश्चित

करने, रेल विभाग में विभिन्न स्तरों पर निजीकरण बन्द करने, भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का निजीकरण रद्द करने और केन्द्र सरकार द्वारा इसे पुनः अधिग्रहित करने के मांग की गई है। इससे पहले जोरदार नारेबाजी के साथ हुए प्रदर्शन को भाकपा नेता कॉमरेड शैलेन्द्र शैली और कॉमरेड शिवशंकर मौर्य ने संबोधित किया और भाकपा के ज्ञापन में उल्लेखित मांगों को पूरा करने की मांग की।

पुलिस को मिला सीसीटीवी फुटेज

आशिमा डिवाइन सिटी की 10वीं मंजिल से गिरकर छात्र की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित आसिमा डिवाइन सिटी के टैरिस से गिरकर इंजीनियरिंग छात्र की मौत हो गई। वह दस मंजिला बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर गेट लॉक होने के कारण साइड से चढ़कर टैरिस पर जाने का प्रयास कर रहा था, तभी पैर फिसलने के कारण वह नीचे गिर गया। नीचे फर्स पर करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो पता चला कि वह टैरिस पर जाना चाहता था और ऊपर गेट पर लॉक था। गेट के पास से चढकर छत पर जाने के प्रयास में वह नीचे गिरा है। पुलिस के अनुसार विश्वजीत तिवारी पिता विनित तिवारी (19) डुप्लेक्स नंबर-8, आसिमा डिवाइन सिटी में रहता था और दस दिन पहले ही इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन लिया था। विश्वजीत प्रतिदिन मॉर्निंग वॉक पर जाता था। गुरुवार सुबह भी वह घर से मॉर्निंग वॉक पर निकला था। इसके बाद घर के सामने आसिमा डिवाइन सिटी की मल्टी पर पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह मल्टी के टॉप फ्लोर के टैरिस पर घूमता था और कसरत करता था।

कैमरे में ऊपर जाते हुए आया नजर, गेट लॉक होने के कारण साइड से चढ़कर ऊपर जाने का कर रहा था प्रयास

टॉप फ्लोर के गेट पर लगा था ताला

वह टॉप फ्लोर पर जाने के लिए मल्टी पर चढ़ा, लेकिन छत पर जाने वाले दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। उसने कुछ देर यहां वहां देखा और दरवाजे के पास से दीवार पर चढ़कर छत पर जाने की कोशिश की। इसी बीच दीवार से पैर फिसला और वह नीचे फर्श पर गिर गया। करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मल्टी में रहने वाले लोगों ने घटना की जानकारी डायल 100 को दी।

इकलौता था विश्वजीत

पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचकर शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया था। एम्स में शव का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है। विश्वजीत परिवार में इकलौता था। उसकी मौत के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है। परिजन का रो रोकर बुरा हाल है।

बेसुध हुए व्यक्ति की अस्पताल में मौत

अयोध्या नगर में रहने वाले अचानक बेसुध हुए एक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गइ। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस के मुताबिक बी-सेक्टर अयोध्या नगर में रहने वाले जनक शर्मा (50) प्रायवेट काम करते थे। बुधवार रात उन्हें अचानक घबराहट हुई और वह बेसुध हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

ट्यूटर को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित कोरल वुड कॉलोनी गेट के पास अज्ञात वाहन ने ट्यूशन पढ़ाने आई युवती को टक्कर मार दी। उसे गंभीर अवस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां करीब 2 दिन चले इलाज के बाद गुरुवार दोपहर उसकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार पूजा मैथिल पिता विष्णु प्रसाद मैथिल (29) महात्मा गांधी वार्ड, मंडीदीप रायसेन की थी। पूजा मिसरोद की कोरल वुड कॉलोनी में बच्चों को ट्यूशन पड़ाने आती थी। गत 1 अक्टूबर को भी वह ट्यूशन पढ़ाने के लिए कोरल वुड कॉलोनी पहुंची। शाम करीब छह बजे ट्यूशन छूटने के बाद वह गेट से बाहर निकली थी। उसे जाने के लिए बस पकड़नी थी। मंडीदीप की तरफ जाने वाली सड़क पर पहुंचते ही उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। राहगीरों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची थी, लेकिन वह बेहोश थी और उसके बयान नहीं हो सके।

पुताई करते समय गिरा मजदूर, अस्पताल में मौत

निशातपुरा स्थित एलग्जर ग्रीन कॉलोनी में गुरुवार शाम पुताई करते समय एक मजदूर गिर गया। साथी मजदूर उसे इलाज के लिए भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार राकेश मीणा पिता सूरज मीणा (27) हरिजन बस्ती गांधी नगर में रहता था। पेशे से मजदूर राकेश मीणा गुरुवार शाम एलेग्जर ग्रीन कॉलोनी में एक मकान में पुताई कर रही था। इस दौरान नीचे गिर गया। पुलिस ने बताया कि वह फर्स्ट फ्लोर से गिरा था। ज्यादा ऊंचाई भी नहीं थी, लेकिन उसे अंदरूनी चोट आई थी। साथी मजदूर उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिलाओं के जेवरात और सवा लाख रुपए चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में तीन महिलाओं के पर्स चोरी हो गए। पर्स में लाखों रुपये कीमत के जेवरात, मोबाइल और करीब सवा लाख रुपये नकदी रखे हुए थे। जीआरपी ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुलताई की रहने वाली मीना माहौर अपनी बेटी के साथ त्रिशताब्दी एक्सप्रेस में इंदौर से मुलताई की यात्रा कर रही थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्स सीट रखा था। रात करीब दो बजे नींद खुली तो उनका पर्स चोरी हो चुका था। पर्स में 1 लाख 22 हजार रुपए नकद, एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड, दवाईयां समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार भोपाल दाहोद पैसेंजर ट्रेन में भोपाल से सीहोर की यात्रा कर रही रामवति शाक्या के गले से किसी ने सोने का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत पुलिस ने 6 हजार रुपये बताई है।

खिड़की से हाथ डालकर मोबाइल चुराया

आउटर पर खड़ी ट्रेन की खिड़की में हाथ डालकर एक बदमाश ने मोबाइल चोरी कर लिया। इधर दो अन्य युवकों की जेब से कीमती मोबाइल और पर्स चोरी चले गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ललितपुर उत्तर प्रदेश निवासी आकाश पाल गोंडवाना एक्सप्रेस में बैतूल से ललितपुर की यात्रा कर रहा था। भोपाल स्टेशन आने से पहले ट्रेन आउटर पर खड़ी थी, तभी एक बदमाश ने खिड़की से हाथ डालकर उनका मोबाइल चोरी कर लिया। इधर बीना जिला सागर निवासी हर्ष यादव मेमो ट्रेन में भोपाल से बीना की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन में चढ़ते समय किसी ने उनकी जेब से पर्स चोरी कर लिया। चोरी गए पर्स में 15 हजार रुपये नकद, आधार कार्ड, पेन कार्ड, डीएल कार्ड, आईडी कार्ड, टीवीएस स्पोर्ट्स और बुलेट बाइक रजिस्ट्रेशन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे।

सीने में दर्द के बाद यूएस नागरिक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र में परिचित के घर टूरिस्ट वीजा पर घूमने आए यूएस (संयुक्त राज्य अमेरिका) नागरिक की मौत हो गई। बताया गया कि उनके सीने में अचानक दर्द उठा था। इस पर उनके पहचान के व्यक्ति ने उन्हें एम्स अस्पताल पहुंचाया। थोड़ी देर चले इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यूएस दूतावास को इसकी सूचना दे दी है।

अवधपुरी पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार 76 वर्षीय अमेरिकी नागरिक थामस डेविड भोपाल के अवधपुरी में रहने वाले मीडिया संस्थान से जुड़े अपने मित्र ऋत्तेश शुक्ला के पास भोपाल आए थे। उनके पास टूरिस्ट वीजा था। उन्हें अयोध्या, यूपी में श्रीराम मंदिर जाना था। बुधवार शाम अचानक उनके सीने में दर्द हुआ। सांसें तेज चलनी लगीं। इस पर ऋतेश के रिश्तेदार उन्हें एम्स लेकर पहुंचे। उनकी मौत हो गई। पुलिस ने ऋतेश से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि वह कोलकाता में हैं। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास पासपोर्ट मिला है। उनकी मौत की सूचना ऋतेश ने अमेरिका दूतावास को दे दी।

महिला के साथ युवक ने की मारपीट

भोपाल। कमला नगर इलाके में एक बुजुर्ग महिला के साथ युवक ने नशे की हालत में मारपीट कर दी। बीच बचाव करने पहुंचे परिजनों के साथ भी उसने मारपीट की। पुलिस के मुताबिक बंजारा बस्ती में रहने वाली सोमती साहू (70) घर पर किराना दुकान चलाती है।

महिला से 10 हजार का गांजा बरामद

भोपाल। गांधी नगर पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखा 10 हजार रुपये कीमत का गांजा जब्त किया है। आरोपिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि हाईस्कूल के पीछे गांधी नगर झुग्गीबस्ती में रहने वाली एक महिला अवैध रूप से गांजा बेचने का काम करती है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के घर की तलाशी ली तो अलमारी के अंदर छिपाकर रखा गया करीब एक किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़ी गई महिला का नाम चांदनी पत्नी शहजाद (30) बताया गया है।

मेट्रो एंकर

ड्राय-डे पर शराब बेचने निकले तस्कर पकड़ाए

आरोपियों से हजारों की अवैध शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी जयंती पर ड्राय-डे होने के कारण शहर की शराब दुकानें बंद थी। ऐसे में अवैध शराब की तस्करी करने वाले तस्कर सक्रिय रहे। पुलिस ने अवैध शराब लेकर बेचने के लिए निकले कई तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से हजारों रुपये की शराब जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार शाहजहांनाबाद पुलिस की एक टीम बाजपेयी नगर मल्टी में भ्रमण कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि मल्टी के पीछे झुग्गीबस्ती इलाके में एक लड़का

झोले में शराब रखकर बेचने की फिराक में घूम रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर संदेही युवक को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर झोले में रखी 19 क्वार्टर शराब जब्त हुई। पकडे गए आरोपी का नाम आदिल उर्फ बच्चा निवासी ईदगाह हिल्स बताया गया है। इसी प्रकार पुलिस की दूसरी टीम ने प्रभुनगर इलाके से मुकेश बमनेरे (29) निवासी बाजपेयी नगर मल्टी शाहजहांनाबाद को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। उसके पास से कुल 30 क्वार्टर शराब जब्त हुई है। शराब के साथ पकडाई महिला शाहपुरा पुलिस ने सरस्वती नगर से लक्ष्मीबाई को अवैध शराब के साथ पकडा। महिला से कुल 17 क्वार्टर शराब जब्त हुई है। इसी थाना पुलिस ने बारह नंबर झुग्गीबस्ती में मुकेश राठी से बीस क्वार्टर अवैध शराब जब्त की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022